



इस कार्यकाल में कोई दूसरा मुख्यमंत्री नहीं होगा: परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 12 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : <https://www.shubhlabdaily.com> | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-191

चीन से सीमा विवाद पर भारत सरकार की नीति बदलने के संकेत

अरुणाचल के सीएम पेमा खांडू के बयान से बौखलाया चीन

भारत की सीमा तिब्बत से जुड़ी है, चीन से नहीं

नई दिल्ली/इटागर, 11 जुलाई (एजेंसियां)।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक गलियारे में नई बहस छेड़ दी है। इस बहस के केंद्र में एक बार फिर भारत-चीन संबंध हैं। सीएम पेमा खांडू ने जो बात कही है वह अंतरराष्ट्रीय फोरम पर भारत को शुरुआत से ही कहनी चाहिए थी। पेमा खांडू ने कहा है कि अरुणाचल की 1200 किलोमीटर लंबी सीमा का चीन से कोई लेनादेना ही नहीं है। अरुणाचल की सीमा तो तिब्बत से लगती है, उसका चीन से क्या सरोकार है? उन्होंने चुनौती दी

कि भारत का कोई भी राज्य चीन का पड़ोसी नहीं है, वह तिब्बत का पड़ोसी जरूर है। तिब्बत पर चीन ने अवैध कब्जा कर रखा है। अंतरराष्ट्रीय मंचों और विश्व के तमाम देशों को यह तय करना चाहिए कि किसी देश पर चीन का अवैध कब्जा कैसे हटे।

अरुणाचल के सीएम पीएम खांडू ने स्पष्ट शब्दों में बताया कि 1950 में चीन ने तिब्बत पर जबरन कब्जा कर लिया था और उसके बाद से तिब्बत को चीन अपना हिस्सा बताने लगा और दुनिया चीन की बात मानने लगी। लेकिन यह हकीकत नहीं है। हकीकत तो यह है कि

अरुणाचल की 1200 किलोमीटर लंबी सीमा तिब्बत से लगती है। तिब्बत की अपनी अलग पहचान है और भारत का रिश्ता तिब्बत से है, चीन से नहीं। खांडू ने 1914 के शिमला समझौते का हवाला दिया, जिसमें तिब्बत को अलग देश माना गया था। उन्होंने दलाई लामा के उत्तराधिकारी चुनने में चीन की दखलंदाजी को भी खारिज कर दिया, बोले कि ये तिब्बती बौद्धों का आंतरिक मामला है।

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू का यह बयान सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है,



चीन अवैध कब्जा नहीं करता तो तिब्बत आजाद देश होता

अरुणाचल की सीमा का चीन से कोई लेना-देना ही नहीं है

बल्कि यह चीन की विस्तारवादी नीतियों पर सीधा हमला है। खासकर यह बयान तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के 90वें

जन्मदिन के ठीक बाद आया है। दलाई लामा के जन्मदिवस समारोह में सीएम खांडू खुद शामिल हुए थे। कूटनीतिक जगत में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के बयान से खलबली है। भारत समेत दुनियाभर के कूटनयित पेमा खांडू के बयान के मायने, इसकी टाइमिंग, तिब्बत पर चीन के अवैध कब्जे की कहानी, दलाई लामा के रोल और खांडू के बयान से शी जिनपिंग की अगुवाई वाली चीन की कम्युनिस्ट पार्टी में फैली बेचैनी को समझने और उसकी थाह लेने की कोशिश कर रहे हैं। यह मामला न केवल भारत, बल्कि

पूरी दुनिया के लिए बेहद अहम बन गया है।

पेमा खांडू का बयान सीधे-सीधे चीन के उस दावे को चुनौती देता है जिसमें वह तिब्बत को अपना अभिन्न हिस्सा बताता है। खांडू ने कहा, हम तिब्बत के साथ सीमा साझा करते हैं, चीन के साथ नहीं। उन्होंने साथ में यह भी जोड़ा कि अरुणाचल प्रदेश भूटान के साथ 150 किलोमीटर, तिब्बत के साथ 1200 किलोमीटर और म्यांमार के साथ 550 किलोमीटर क्षेत्र के साथ जुड़ा है। इसमें चीन कहां आता है?

सीएम खांडू ने कहा, कोई भी भारतीय राज्य चीन से सीधे नहीं जुड़ता।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री की यह बात इसलिए गंभीर मायने रखती है क्योंकि चीन लंबे समय से अरुणाचल को अपना हिस्सा बताता रहा है, उसे दक्षिण तिब्बत कहकर दावा पेश करता रहता है। खांडू का बयान यह साफ-साफ कह रहा है कि चीन ने पहले तिब्बत पर अवैध कब्जा जमाया और फिर अरुणाचल की सीमा को लेकर अपना सुनियोजित दावा ठोका है। वरना भारत का पड़ोसी तिब्बत होता।

►10पर

राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति का महत्वपूर्ण फैसला

बॉर्डर पर 30 अहम रक्षा परियोजनाओं को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)।

चीन से लगने वाले बॉर्डर के लिए भारत ने कई अहम रक्षा परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। ये परियोजनाएं पूर्वी लद्दाख से लेकर सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश तक फैली हुई हैं। इन परियोजनाओं में मूल रूप से फारवर्ड एविएशन बेस के लिए बुनियादी ढांचा, वास्तविक नियंत्रण रेखा (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) पर मिसाइलों और महत्वपूर्ण सड़क संपर्कों के लिए सुविधाओं का निर्माण आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति ने इन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्टैंडिंग कमिटी ने 30 से ज्यादा रक्षा और बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं का मूल्यांकन किया और इन सभी को मंजूरी दे दी। इनमें से 26 परियोजनाएं लद्दाख में हैं। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने की।

इन परियोजनाओं के लिए वन्यजीव बोर्ड की मंजूरी इसलिए जरूरी है, क्योंकि ये परियोजनाएं काराकोरम वन्यजीव अभयारण्य और चांगथांग कोल्ड डेजर्ट अभयारण्य (लद्दाख), दिबांग वन्यजीव अभयारण्य (अरुणाचल प्रदेश) और पंगोलखा अभयारण्य (सिक्किम) जैसे संरक्षित इलाकों में हैं। राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति ने म्यांमार सीमा के पास अरुणाचल फ्रंटियर हाई-वे के काम को भी मंजूरी दी है। सबसे अहम परियोजना दौलत बेग गोल्डी (डीबीजी) से बॉर्डर पर्सनल मीटिंग (बीपीएम) हट के बीच की सड़क के निर्माण का है। यहां 10.26 किलोमीटर लंबी सड़क बननी है, जहां भारत और चीन की सेना के सीनियर अफसर बॉर्डर से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मिलते हैं। यह इलाका समुद्र से 17 हजार फीट की ऊंचाई पर है और



लद्दाख से सिक्किम और अरुणाचल तक विस्तृत हैं प्रोजेक्ट्स

बॉर्डर रोड, हवाई पट्टी, आयुध भंडार और सैनिक आवास बनेंगे

यहां सबसे ऊंची हवाई पट्टी भी है। रक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति को बताया था कि डीबीजी और बीपीएम के बीच कोई सड़क नहीं है, जबकि दूसरी ओर चीन ठोस सड़क बना रहा है।

काराकोरम अभयारण्य में तिब्बती हिरन, शापो, जंगली याक, भरल, हिम तेंदुआ, हिमालयी ग्रे भेड़िया, लिंक्स और मार्मोट जैसे दुर्लभ वन्यजीव रहते हैं। दिबांग अभयारण्य तेंदुए और बाघों का घर है जबकि एशियाई काला भालू, अन्य जीवों के साथ पंगोलखा अभयारण्य

में रहता है। इसके अलावा अन्य जिन अहम परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, उनमें तोपखाना रेजिमेंट के सैनिकों के लिए आवास, एक फील्ड अस्पताल, श्योक में फारवर्ड एविएशन बेस के लिए विमानन हेतु बुनियादी ढांचे का निर्माण और कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के उपकरणों का पता लगाने के लिए तकनीकी बुनियादी ढांचे का निर्माण वगैरह शामिल हैं। इसके अलावा सियाचिन क्षेत्र के लिए भी अहम मंजूरी दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि परतापुर का परियोजना सियाचिन ग्लेशियर में उड़ान गतिविधियों के लिए अहम होगी।

राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने पूर्वोत्तर में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के साथ बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए मालिन-बलुआ-कपुड़ा सड़क को मंजूरी, सिक्किम में पाक्योंग जिले के पंगोला में एक सीमा चौकी और ऋषि-रोंगली-कुपुप सड़क सुधार को मंजूरी दी है। इस तरह राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने लद्दाख, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में 30 रक्षा परियोजनाओं को पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान की है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) सिक्किम में कुपुप-शेराथांग रोड और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में उत्तर-दक्षिण रोड सहित सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों और पुलों के निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। भारत और चीन ने देपसांग और डेमचोक में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गरत व्यवस्था पर एक समझौता किया है, जिसके परिणामस्वरूप टकराव वाले बिंदुओं से सैनिकों की वापसी हो रही है। भारत चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सड़कों, पुलों, सुरंगों और सैन्य बुनियादी ढांचे सहित विभिन्न ►10पर

ऑपरेशन सिंदूर के प्रसंग में विदेशी मीडिया पर बरसे एनएसए

हमने 23 मिनट में पाक के नौ ठिकाने मिटा दिए : डोभाल

चेन्नई, 11 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत सरकार के सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान भारत को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ। जबकि भारत ने महज 23 मिनट में पाकिस्तान में नौ ठिकानों को निशाना बनाया और इन लक्ष्यों में से एक भी निशाना खाली नहीं गया। आईआईटी मद्रास में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने ऑपरेशन सिंदूर के सिलसिले में विदेशी मीडिया की भ्रामक रिपोर्टिंग पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। डोभाल ने कहा कि कई विदेशी समाचार एजेंसियों ने भारत को लेकर भ्रामक और तथ्यहीन जानकारी प्रकाशित की है। डोभाल ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विदेशी प्रेस ने बढ़ा चढ़ा कर कहना शुरू किया कि पाकिस्तान ने यह किया, वह किया। आप मुझे एक भी फोटो या सबूत दिखाइए जिसमें भारत में किसी इमारत को नुकसान हुआ हो, एक कांच तक टूटा हो। मीडिया ने बातें लिख दीं, छाप दीं और टीवी पर आकर बोल दिया। विदेशी मीडिया द्वारा जारी की गई सैटेलाइट तस्वीरों में 10 मई से पहले और बाद में पाकिस्तान के 13 एयरबेस दिखाए गए, चाहे वह सरगोथा हो, रहीम यार खान हो या चकलाला। मैं सिर्फ वही बता रहा हूं जो उन्होंने अपनी रिपोर्टिंग में छपा। हममें यह क्षमता है कि अगर हम चाहें तो पाकिस्तान के एयरबेस को सीधे नुकसान पहुंचा सकते हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने कहा, हमें अपनी स्वदेशी तकनीक विकसित करनी होगी। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र यहां किया गया था। हमें



भारत ने नौ निशाने साधे, एक भी निशाना खाली नहीं गया

इस बात पर गर्व है कि इसमें कितनी स्वदेशी सामग्री थी। हमने पाकिस्तान के आर-पार नौ आतंकवादी ठिकानों पर निशाना साधने का फैसला किया, ये सीमावर्ती इलाकों में नहीं थे। हम कोई भी निशाना नहीं चूके। हमने इसके अलावा कहीं और निशाना नहीं साधा। यह उस बिंदु तक सटीक था जहां हमें पता था कि कौन कहां है? पूरे ऑपरेशन में 23 मिनट लगे। आप मुझे एक भी तस्वीर बताइए जिसमें भारत की तरफ से हुआ कोई नुकसान दिखाई दे रहा हो। डोभाल ने कहा, हम एक ऐसे देश और ऐसी सभ्यता से ताल्लुक रखते हैं, जो हजार वर्षों से संकटग्रस्त, लहलुहान और अपमानित रही है। हमारे पूर्वजों ने बहुत कुछ सहा है। मुझे नहीं पता कि इस सभ्यता को जीवित रखने और राष्ट्र की इस धारणा को जीवित रखने के लिए ►10पर

केरल में सीएम पद के लिए शशि थरूर पहली पसंद



तिरुवनंतपुरम, 11 जुलाई (एजेंसियां)।

केरल में मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस सांसद शशि थरूर को भारी जन-समर्थन प्राप्त हो रहा है। इससे कांग्रेस नेता ही जल भुनकर खाक हुए जा रहे हैं। कांग्रेस के नेता अपने जहांपनाह राहुल गांधी के चरित्र से अधिक प्रभावित हैं, जो किसी भी मेधावी नेता को बर्दाश्त नहीं करते और अपने नेता की जड़ें काटने में लगे रहते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद विदेश के दौरे पर गई सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के नेता के बतौर शशि थरूर ने जो भूमिका अदा की, उसकी पूरे देश में एक स्वर से सराहना हुई। ►10पर

लगातार क्रैश होते लड़ाकू विमानों से वायुसेना चिंतित

आत्मनिर्भर बनने तक सुरक्षित रहना भी जरूरी

डिग्रेडेड लड़ाकू विमान ले रहे हैं

पायलटों की कुर्बानी

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)।

लगातार क्रैश होते लड़ाकू विमानों से भारतीय वायुसेना अत्यंत चिंतित है। पुराने और डिग्रेडेड लड़ाकू विमान लगातार पायलटों की कुर्बानी ले रहे हैं। भारत सरकार यह तय ही नहीं कर पा रही है कि वह पहले आत्मनिर्भर बने या पहले सुरक्षित बने। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पायलटों की सुरक्षा प्राथमिक है, भारत सरकार को इस प्राथमिकता का ध्यान रखना चाहिए। आत्मनिर्भर बनने तक पायलटों का सुरक्षित रहना भी जरूरी है। आत्मनिर्भर बनने के लिए वायुसेनिकों की कुर्बानी जरूरी नहीं है।

भारतीय वायुसेना के सामने पुराने होते विमानों का समय पर अपग्रेड न होने की भारी चुनौती है और देश उसका खामियाजा भुगत रहा है। लड़ाकू विमान लगातार हादसे का शिकार हो रहे हैं और हम बेशकीमती पायलटों को बलीवेदी



उठाने को लेकर गंभीर है। भारत सरकार को फैसला करना है कि भारत अपना खास इंजन ब्रिटेन की कंपनी रॉल्स-रॉयस के साथ मिलकर बनाएगा या फिर वो फ्रांस की सैफरन की मदद लेगा।

एक वरिष्ठ वायुसेना अधिकारी ने कहा, इंजन को लेकर जरूर चुनौती है। रणनीतिक लिहाज से भारत सरकार को

जरूरी फैसला लेना ही होगा। इस समय हमें जो फिफथ जेनरेशन एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट की जरूरत है, उसमें दोनों रॉल्स-रॉयस और सैफरन के साथ हाथ मिलाने पर विचार किया जा रहा है। बड़ी बात यह है कि दोनों ही कंपनियों ने डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) के साथ काम करने में दिलचस्पी दिखाई है, उनका बेंगलूरु में जो गैस टरबाइन शोध प्रतिष्ठान है, वहां पर प्रोजेक्ट शुरू किया जा सकता है।

एक तरफ भारत फिफथ जेनरेशन एयरक्राफ्ट चाहता है, उसे इंजन के मामले में आत्मनिर्भर भी बनना है, तकनीक अगर भारत में ही विकसित हो जाए तो सप्लाई चेन की एक बड़ी चुनौती से पार पाया जा सकता है। असल में भारत को इस समय अपने तेजस एयरक्राफ्ट के लिए भी इंजन चाहिए, लेकिन अमेरिकी कंपनी जीई की तरफ से लगातार देरी हो रही है। कोरोना के बाद से जो सप्लाई चेन टूटी है, उसे अभी तक फिर शुरू नहीं किया जा सका है। अब इस बीच भारत क्योंकि अपने ट्विन इंजन 5.5 जेनरेशन स्टील्थ फाइटर जेट एएमसीए को बनाने की तैयारी कर रहा है, उसमें दोनों ब्रिटेन और फ्रांस से मदद मिल सकती है। ►10पर

भाजपा ने राजा सिंह का पार्टी से इस्तीफा स्वीकार किया



हैदराबाद 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तेलंगाना के पार्टी विधायक टी राजा सिंह लोधा का पार्टी से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं पार्टी मुख्यालय के प्रभारी अरुण सिंह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने इस संबंध में श्री राजा सिंह को पत्र लिखा है, जिसमें कहा है कि श्री नड्डा के निर्देशानुसार मैं सूचित करता हूं कि आपका पार्टी से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है। ►10पर



जीतो उदयपुर चैप्टर और जीतो बेंगलूरु साउथ ने आयोजित की व्यवसायिक बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो उदयपुर चैप्टर ने जीतो बेंगलूरु साउथ के साथ एक अत्यधिक उत्पादक व्यवसायिक बैठक का आयोजन किया, जिसमें दोनों चैप्टर के सदस्यों को एक साथ लाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन उदयपुर के एक स्थानीय होटल में हुआ, जिसमें जीतो बेंगलूरु साउथ और जीतो उदयपुर के 30 सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति देखी गई। बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र के पाठ से हुई। जीतो उदयपुर चैप्टर के चेयरमैन यशवंत जैन आंचलिया ने सदस्यों का स्वागत किया और जीतो बेंगलूरु साउथ के साथ सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से जेबीएन (जैन बिजनेस नेटवर्क) मंच के माध्यम से, जो संबंधों, नेटवर्किंग और व्यवसाय वृद्धि को



बढ़ावा देता है। जीतो एपेक्स सचिव महावीर चपलोट ने कहा कि सभी चैप्टरों को और व्यावसायिक विचारों का आदान-प्रदान करना चाहिए, सदस्यों के बीच नेटवर्किंग करनी चाहिए और समाज के विकास के लिए मिलकर काम करना चाहिए। जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने चैप्टर की

गतिविधियों के बारे में सदस्यों को जानकारी दी, जिसमें आगामी पक्ष बिजनेस समिट 2025 शामिल है, जो 1-2 अगस्त, 2025 को आयोजित किया जाएगा, जिसमें आयोजन और आतिथ्य उद्योग पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने उदयपुर चैप्टर को समिट में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। जेबीएन की सफलता की कहानी

भी साझा की, जिसने 2017 में अपनी स्थापना के बाद से सदस्यों के बीच करोड़ों रुपये का कारोबार किया है। चैप्टर जेबीएन 360, शार्क टैंक और स्टार्टअप पिच डे सत्रों की मेजबानी करने की योजना बना रहा है। इसके अलावा, उन्होंने जीतो बेंगलूरु की प्रमुख परियोजनाओं पर प्रकाश डाला, जिनमें जैन बंधु परियोजना

शामिल है, जो पिछले पांच वर्षों से 150 परिवारों को मासिक वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है, और शिक्षा छात्रवृत्ति कार्यक्रम, जिसने 2015 में अपनी स्थापना के बाद से 7000 से अधिक छात्रों को लाभान्वित किया है। इस कार्यक्रम ने सदस्यों को उपयोगी चर्चाओं में शामिल होने, नए संबंध बनाने और संभावित व्यावसायिक सहयोगों का अन्वेषण करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। बैठक की मुख्य बात प्रभावशाली एक-से-एक बातचीत थी जिसने सार्थक आदान-प्रदान और संभावित व्यावसायिक साझेदारियों की सुविधा प्रदान की। इस बैठक में जीतो उदयपुर के मुख्य सचिव अभिषेक संचेती, पदाधिकारी और प्रबंध समिति के सदस्य उपस्थित थे।

जिसने धर्म को नहीं जाना उसने जीवन में कुछ नहीं जाना: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित उप प्रवर्तिनी महासाध्वी निर्मला के सानिध्य में धर्म सभा को संबोधित करते हुए साध्वी उपासना ने अपने प्रेरक प्रवचन में कहा जिसने जीवन में धर्म को नहीं जाना, उसने कुछ भी नहीं जाना। जो व्यक्ति धर्म में जीना नहीं सीख पाया, उसका समूचा जीवन निष्फल हो गया। जिसने अपना समय धर्म में व्यतीत किया है उसी का जीवन सार्थक है। समय पल पल बीत रहा है हमें समय को पहचानना है। समय यानि हमारा मनुष्य जन्म का अनमोल अवसर। इस अवसर को हमें खोए बिना धर्म में लगाना है। उन्होंने कहा जीवन में बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। जो अपने समय को धर्म-आराधना में लगाता है, वही वास्तव में जीवन को सार्थक बनाता है। समय के सदुपयोग की



महत्ता पर बल देते हुए उन्होंने कहा हमारा जीवन पारस-मणि की तरह अनमोल है। यह देह एक दिन मिट्टी में मिल जाएगी, यह जानते हुए भी यदि हम अपना अमूल्य समय धर्म में नहीं लगाते तो यह आत्मा के प्रति अन्याय है। अभी भी समय है जागो, और कीमती समय को आत्म-पोषण में लगाओ। इस प्रवचन के साथ ही साध्वी उपासना द्वारा रानी सोहन की प्रेरणादायी श्रृंखला का शुभारंभ हुआ। साध्वी ऋषिता ने भावपूर्ण स्तवन की प्रस्तुति दी। साध्वी नंदिनी ने प्रतिदिन आज से आरम्भ दोपहर 2:30 से 3:30 बजे तक आयोजित मंगलमयी चौमुखी जाप आराधना की

जानकारी दी। अंत में महासाध्वी निर्मलाजी ने प्रत्याख्यान करवाया एवं मांगलिक प्रदान की। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से श्रावकगण की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्रीरामपुरम संघ से अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया, मंत्री अशोक गुगलिया, शांतिलाल खीवेंसरा, गणेशमल गुगलिया, सुवालाल दक, युवा मंडल सदस्यगण तथा विजयनगर, हनुमंतनगर, मल्लेश्वरम सहित अन्य संघों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

जीवन में स्वयं की शक्ति और स्वभाव को समझने की आवश्यकता: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अपने जीवन में स्वयं की शक्ति और स्वभाव को समझने की बहुत बड़ी आवश्यकता होती है। हमारे जीवन के प्रगति पथ में निराशा सबसे बड़ी बाधा उत्पन्न करती है। हम थोड़ी देर में ही परिस्थिति के आगे घुटने टेक कर उसे अपने ऊपर हावी होने का अवसर दे देते हैं। किसी संग दोष के कारण, किन्हीं बातों के प्रभाव में आकर निराशा हो जाना, यह संयोग जन्म स्थिति है और आनंद, प्रसन्नता, उत्साह, उल्लास एवं सात्विकता यही हमारा मूल स्वभाव है। यही हमारा वास्तविक स्वरूप भी है। पानी को कितना भी गर्म कर लें पर वह थोड़ी देर बाद अपने मूल स्वभाव में आकर शीतल हो जायेगा। इसी प्रकार हम कितने भी क्रोध में, भय में अशांति में आ जाएं पर थोड़ी देर बाद बोध में, निर्भयता में और प्रसन्नता में



हमें आना ही होगा क्योंकि यही हमारा मूल स्वभाव है। प्रकृति ने प्रत्येक मानव को असीम ऊर्जा से भरा है। यदि हम स्वयं को पहचानकर अपनी ऊर्जा का उपयोग परिहित में करने लगे तो स्वयं के साथ - साथ लाखों लोगों के कल्याण के निमित्त बन सकते हैं। साध्वी शीतलगुणा श्री ने कहा कि मानव को अपनी आत्मा, परिवार, समाज, देश संपूर्ण मानवता और प्राणी मात्र के साथ

किस प्रकार का व्यवहार करना इसका कर्तव्य बोध होना चाहिए। इसका बोध जिस उपासना पद्धति के माध्यम से होता है, वहीं धर्म महान है। इस अवसर पर पूनमचंद सोलंकी, महावीर संघवी, किशोरमल जैन, अंबालाल शाह, महेंद्र जैन, सुरेश संघवी, राजेंद्र पोरवाल, राजु भंडारी, संतोष जैन, सुरेश पोरवाल, पारसमल पोरवाल, कुणाल जैन, संदीप जैन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महावीर जैन ने किया।

तेरापंथ महिला मंडल टी.दासरहल्ली की आठवीं साधारण सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ महिला मंडल टी.दासरहल्ली की अध्यक्ष नेहा चावत की अध्यक्षता में स्थानीय तेरापंथ भवन में आठवीं साधारण सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सन 2025 - 27 के लिए गीता बाबेल को नया अध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र एवं प्रेरणा गीत के संगान के साथ हुआ। अध्यक्षा नेहा चावत ने सभी का स्वागत करते हुए अपने 2 साल के कार्यकाल में सहयोगी अपनी पूरी टीम एवं मंडल का आभार व्यक्त किया। उपाध्यक्ष संगीता बोहरा ने संविधान पत्र का वाचन किया।

मंत्री नम्रता पितलिया ने गत वर्ष के साधारण सभा की मंत्री प्रतिवेदन एवं रिपोर्ट का वाचन किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपिका गांधी ने अपनी भावाभिव्यक्ति दी। कोषाध्यक्ष हमसा बाबेल ने आय - व्यय का ब्यौरा पारित किया। संगठन मंत्री सरोज मारु ने मंडल द्वारा किए गए संगठन कार्य एवं संगठन यात्रा की विशेष जानकारी दी।



कन्या मंडल प्रभारी पूर्णिमा कठोटिया एवं संयोजिका नैना गाँधी ने कन्या मंडल की गतिविधियों पर आधारित रिपोर्ट साझा की। निवर्तमान अध्यक्ष रेखा मेहर ने सफलतम कार्यकाल एवं नवीन अध्यक्ष के आने वाले कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यकारिणी सुनीता भट्टेवरा ने अपनी भावाभिव्यक्ति दी। चुनाव अधिकारी परामर्श संगरक्षिका मुशीला बाई बाबेल एवं रोशन बाई बोहरा को नियुक्त किया गया, जिन्होंने सर्वसम्मति एवं निर्विरोध से गीता बाबेल को नवीन अध्यक्ष चुना। मंडल की बहनों ने

नव अध्यक्ष को उसके भावी कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं प्रदान की। तेरापंथ सभा संस्थापक अध्यक्ष लादुलाल बाबेल, सभा अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोट, मंत्री प्रवीण बोहरा, निवर्तमान अध्यक्ष नवरत्नमल गाँधी, तेयुप अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी ने नवीन अध्यक्ष के आने वाले कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। अध्यक्ष नेहा चावत ने अपने कार्यकाल में सहयोगी अपनी पूरी टीम को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री नम्रता पितलिया तथा कार्यकारिणी इंद्रा कठोटिया ने किया।

धर्म जागरण का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

गुरु पूर्णिमा के तहत आचार्य भिक्षु के 300वें जन्म उत्सव और 266वें तेरापंथ स्थापन दिवस के उपलक्ष्य में तेरापंथ सभा भवन में धर्म जागरण का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मंगला-चरण से हुई। प्रथम चरण में सभा भवन में सामायिक का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें श्रावक श्राविकाओं ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

सर्वप्रथम नवकार मंत्र से कार्यक्रम की शुरुआत हुई, उसके बाद ओम भिक्षु का जाप किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष विनीता सुराणा ने आचार्य भिक्षु पर एक कविता और कहानी के माध्यम से रोचक प्रस्तुति दी। निकिता सुराणा ने भिक्षु की



जीवनी को दर्शाते हुए 13 पंथ के नामकरण का पूरा इतिहास सरल शब्दों में बताया। सूरज तातेड ने भी अपने भावों को व्यक्त किया। ममता कोठारी ने चातुर्मास में अधिक से अधिक धर्म ध्यान कर त्याग तपस्या करें की प्रेरणा दी। सभा, महिला मंडल, युवक परिषद ने भिक्षु

भजन के द्वारा सभा को गुंजायमान किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन एवं आभार महिला मंडल मंत्री दीपा तातेड ने किया। सभा अध्यक्ष शोहनलाल तातेड, मंत्री विमल कोठारी, युवक परिषद अध्यक्ष नितेश सुराणा, मलनाड अध्यक्ष महावीर भंसाली आदि उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा पर पूनम मेला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आषाढ मास की गुरु पूर्णिमा गुरुवार के विशेष दिन दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे में आयोजित पूनम मेला का संपूर्ण लाभ चंडावल निवासी हाल बेंगलूरु के विकास कुमार, आशीष कुमार बाफणा परिवार ने लिया। उन्होंने इस्ट मित्रों सहित बड़ी संख्या में रेल यात्रा द्वारा तीर्थ पहुंचकर सेवा पुजन का लाभ लिया। तुषार गुरुजी के पुजन विधि से पार्श्व भैरव महापुजन हुआ। सुर सम्राट दिलखुश बाफणा एवं प्रकाश राठोड ने भजनों की फव्वार लगा कर श्रद्धालुओं को नाचने पर मजबूर कर दिया। गुरु पूर्णिमा विशेष कोडीमठ के पीठाधीश्वर श्रीश्री शिवानन्द महास्वामी अपने शिष्य के साथ



तीर्थ परिसर पहुंचे और जैन धर्म के अनेक विषयों पर प्रकाश डालते हुए आशीर्वचन दिया। इस मौके पर राष्ट्रीय भैरव भक्त परिवार द्वारा पूनम संघ यात्रा का भी आयोजन रहा। परंपरागत भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढ़ाना लाभार्थी परिवारों द्वारा किया गया। बेंगलूरु से मनेज बाफणा, राजु चांकलेट, हेमंत संचेती, हितेश गुंदेछा, राणीबेन्नुर से महावीर

पीपाडा, हरपनहल्ली से विजयराज विनायकीय, हासन से प्रवीण परमार, दावणगेरे से गणेशमल सिंघवी, अरसीकेरे से ललित मेहता, चेतन बलगाट, अशोक गुगलिया के साथ तिटपूर, तुमकुरु, चिक्कमगलूरु, मैसूरु, होसपेट, हुब्बल्ली आदी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समान में ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष अशोक कुमार सुराणा ने सभी का स्वागत किया।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु का देव दर्शन यात्रा संघ रवाना



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रावण के पवित्र मास के तहत शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु का देव दर्शन यात्रा संघ समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा के नेतृत्व में शर्मा ट्रांसपोर्ट के तत्वावधान में शुरू हुआ। तीन ज्योतिर्लिंग दर्शन यात्रा संघ शिरडी, शनि शिंगाणापुर, त्रयंबकेश्वर, भीमाशंकर, चृष्णेश्वर सहित आस-पास के प्रमुख देवस्थानों के दर्शनार्थ यात्रा संघ

भास्कर भगवान के जयकारों के साथ रवाना हुआ। इस अवसर पर जे. बाबूलाल, वीरेंद्र शर्मा, भूपेश कश्यप, महेंद्र शर्मा, कैलाश शर्मा, मनोज शर्मा, जेटमल शर्मा, हीरा शर्मा, मंजू शर्मा, मालती शर्मा, शोभा कश्यप, प्रेमा शर्मा, गीता शर्मा, नवरत्न बाई, पूनम शर्मा, तृप्ति शर्मा सहित अनेक समाज बंधु पांच दिवसीय देवदर्शन यात्रा संघ हेतु बस से रवाना हुए।

चातुर्मास में विराधना छोड़कर आराधना में लगना है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में फरमाया कि छह आवश्यक सामायिक एक प्रकार से औषधालय है, जहां हमें भव-भव की जन्म मरण की पीड़ा से मुक्ति प्राप्त होती है। हमें जिन शासन

रूपी औषधालय में अपने भवों भवों के रोगों को मिटाना है। तीर्थंकर परमात्मा रूपी डॉक्टर हमें इसमें सहायता करते हैं। देवगति में लोभ, मनुष्य गति में मान, नरक गति में क्रोध रूपी बीमारियां आत्मा के साथ लगी रहती है। चातुर्मास काल में हमें विराधना छोड़कर आराधना



में लगना है। हमें चार कषायों से दूर होना है। छह आवश्यकों के साथ हमें परमात्मा पूजा भी करनी है। परमात्मा की पूजा दर्शन करने के भाव आने से ही हमारे अनेक कर्मों की धोर निर्जरा होती है। हमें जीवन में सम्यक दर्शन, ज्ञान और चारित्र रूपी रत्नत्रय प्राप्त करना है।

प्रवचन सुनने से ज्ञान में होती है वृद्धि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिकपेट आदिनाथ दादा के दरबार में विराजित आर्यशेखरविजयजी ने प्रवचन धारा में कहा कि ज्ञान बिना जीवन व्यर्थ है। प्रवचन सुनने से ज्ञान में वृद्धि होती है, हमारे पास गाड़ी बंगला कितना है, यह महत्व नहीं, महत्व है हमारा स्वभाव कैसा है। पाप हो ऐसा कमाना नहीं, बीमारी हो ऐसा खाना नहीं, कर्ज हो ऐसा खर्चना नहीं, लड़ाई हो ऐसा बोलना नहीं। असंख्य और अनंत में क्या अंतर है, पानी की एक बूंद हो या सागर असंख्य ही होता है। आलू का एक सुई की नोक जितने भाग में अनंत जीव होते हैं। गाय को सुखी घास भी खिलाएंगे तो दूध ही देगी और सांप को दूध भी पिलादो बदले



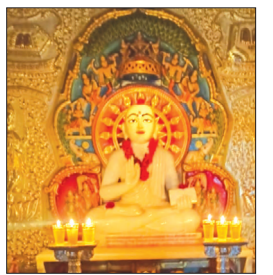
में जहर ही देगा। इसलिए दान हमेशा सुपात्र को ही देना चाहिए, कुपात्र को नहीं। मुझसे ज्यादा पाप करने वाला सुखी क्यों है, मुझसे भी ज्यादा धर्म करने वाला मुझसे भी दुखी क्यों है। एक डूबकी लगाने से मोती नहीं

मिलता, एक लड़ाई से सेनापति नहीं बनता, लगातार अभ्यास जारी रखो, मूर्ख भी कालिदास और भील भी एकलव्य बन सकता है। जीवन में ज्ञान होना जरूरी है। ऐसी छोटी छोटी मार्मिक बातें श्रद्धालुओं को बताईं।

गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में दादा गुरुदेव की भक्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरि जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुड़ी द्वारा गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में गुरुदेव की सुंदर भक्ति दादावाड़ी में आयोजित की गई। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने सभी को गुरु पूर्णिमा पर्व की शुभकामनाएं दीं। मंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि प्रति पूर्णिमा को गुरुदेव की भक्ति आयोजित की जाती है, लेकिन गुरु पूर्णिमा के शुभ दिवस गुरुदेवों के उपकारों का स्मरण करते हुए अनेक श्रद्धालुओं ने झूमते गाते भक्ति की और गुरुदेव को श्रद्धासुमन अर्पित किए। चारों दादा गुरुदेवों की साधना के बल पर जनसाधरण पर उपकार करते हुए अनेक चमत्कार घटित हुए। इस अवसर पर सनी रांका, नितेश बोहरा, पारस पारख, रिद्धि छाजेडे, मोक्ष जैन आदि अनेक सदस्यों ने उपस्थित जनों को भक्ति में झुमाया।





अभिनेता प्रकाश राज का आरोप सीएम देवनहल्ली के किसानों की भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही वापस लेने की मांग पर नाटक कर रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बहुभाषी अभिनेता प्रकाश राज ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर देवनहल्ली के किसानों की भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही वापस लेने की मांग पर 'नाटक' करने का आरोप लगाया है। मैसूरु में कर्नाटक राज्य रायता संघ (केआरआरएस) और दलित संघर्ष समिति (डीएसएस) के कार्यकर्ताओं के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, राज ने कहा कि मुख्यमंत्री, जिन्होंने आंदोलनकारी किसानों से उनकी मांग पूरी करने के लिए कानूनी बाधाओं को दूर करने के लिए 15 जुलाई तक का समय मांगा था, हाल ही में नई दिल्ली आए और कथित तौर पर उसी क्षेत्र में रक्षा और एयरोस्पेस कॉरिडोर स्थापित करने के लिए



केंद्र से अनुमति मांगी। उन्होंने 4 जुलाई को बेंगलूरु में किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ सिद्धरामैया की बैठक को याद किया, जहाँ उन्होंने देवनहल्ली तालुका के 13 गाँवों में 1,777 एकड़ जमीन के अधिग्रहण को रद्द

करने के लिए सरकार के सामने आने वाले कानूनी मुद्दों की जाँच के लिए समय माँगा था, जिसके लिए अंतिम अधिसूचना पहले ही जारी हो चुकी थी। राज ने कहा इसके बाद, आप दिल्ली जाएँ और राजनाथ सिंह (रक्षा मंत्री) से इस

क्षेत्र में एक रक्षा गलियारे के लिए अनुमति माँगे। हम आप पर नजर रख रहे हैं।

राज्य सरकार पर 'रियल एस्टेट कारोबार' में शामिल होने का आरोप लगाते हुए, राज ने सरकार से रक्षा और एयरोस्पेस कॉरिडोर

के लिए केंद्र से अनुमति लिए बिना जमीन अधिग्रहण करने का कारण जानना चाहा। क्या जमीन का अधिग्रहण बिना यह जाने किया गया था कि उसका क्या करना है?

जब उनसे पूछा गया कि क्या सरकार रक्षा और एयरोस्पेस कॉरिडोर के लिए 1,770 एकड़ जमीन का वही टुकड़ा देने का वादा कर रही है, तो राज ने कहा कि राजनेता अपने बयानों में ऐसे पहलुओं को स्पष्ट नहीं करते हैं। हालांकि, राज के साथ मंच साझा कर रहे किसान कार्यकर्ता चुक्री नंजुदस्वामी ने उद्योग मंत्री एम. बी. पाटिल द्वारा एक्स (पहले ट्विटर) पर दिए गए एक बयान की ओर इशारा किया, जो सरकार की उसी जमीन का इस्तेमाल करने की योजना का संकेत था।

पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1.36 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स जब्त की



मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन पर चल रही कार्रवाई के तहत, मेंगलूरु शहर पुलिस ने 2025 में अब तक एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेन्स) अधिनियम के तहत 40 मामले दर्ज किए हैं, 67 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 1,36,35,650 रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। इस वर्ष जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थों में 145.324 किलोग्राम गांजा, 319.976 ग्राम एमडीएमए, 13 ग्राम एमडीएमए गोलियाँ, 756.52 ग्राम हाइड्रोवीड

गांजा और कई अन्य मादक पदार्थ शामिल हैं। इस वर्ष की शुरुआत में 15 जनवरी को आयोजित एक बड़े नशा-विरोधी अभियान में, विभाग ने 335.460 किलोग्राम गांजा, 7.640 किलोग्राम एमडीएमए और 16 ग्राम कोकीन नष्ट किया, जिनकी कुल कीमत 6,80,86,558 रुपये थी। इन प्रयासों को जारी रखते हुए, 10 जुलाई को दक्षिण कन्नड़ के मुल्की स्थित कोलनाडु औद्योगिक क्षेत्र स्थित री सस्टेनेबिलिटी हेल्थकेयर सॉल्यूशंस लिमिटेड में मादक पदार्थों के निपटान का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह नशीले पदार्थों का निपटान

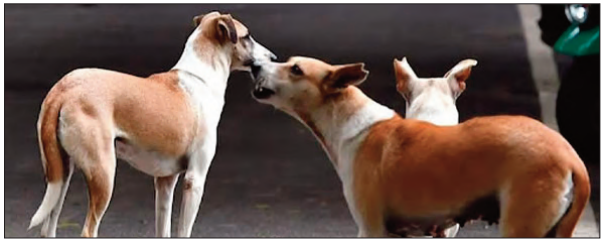
अदालत की अनुमति से किया गया और इसमें मेंगलूरु शहर पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत नौ पुलिस थानों से 23 मामलों में जब्त किए गए मादक पदार्थ शामिल थे।

इस कार्यक्रम के दौरान कुल 21.320 किलोग्राम गांजा और 60 ग्राम एमडीएमए का भस्मीकरण किया गया। तस्करी के मामलों के अलावा, पुलिस ने नशीली दवाओं के उपभोक्ताओं के खिलाफ भी कार्रवाई की है और 2025 में एनडीपीएस अधिनियम के तहत 376 व्यक्तियों के खिलाफ सेवन-संबंधी अपराधों के लिए 335 मामले दर्ज किए हैं।

बेंगलूरु के आवारा कुत्तों को रोज बिरयानी खिलाने की योजना बीबीएमपी की 2.8 करोड़ रुपये की योजना का हो रहा भारी विरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारत में अपनी तरह की पहली पहल के तहत, कर्नाटक सरकार और बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने शहर के आठ ज़ोंनों में आवारा कुत्तों को रोजाना चिकन और अंडे की बिरयानी उपलब्ध कराने के लिए 2.8 करोड़ रुपये की एक परियोजना शुरू की है। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य प्रत्येक जोन में लगभग 600-700 आवारा कुत्तों को भोजन उपलब्ध कराना है, जिसका लक्ष्य शुरुआत में कुल 5,000 कुत्तों को भोजन उपलब्ध कराना है - बेंगलूरु में अनुमानित 3 लाख आवारा कुत्ते हैं। बीबीएमपी ने इस विशेष बिरयानी भोजन की आपूर्ति के लिए निविदाएँ आमंत्रित की हैं,



जिससे नागरिकों और अधिकारियों के बीच गरमागरम बहस छिड़ गई है। आलोचकों का तर्क है कि यह योजना प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल उठाती है, और शहर में सड़क, पानी, भोजन और आवास जैसी अपर्याप्त बुनियादी सुविधाओं के साथ चल रहे संघर्ष को उजागर करती है।

कई लोग आवारा कुत्तों के लिए इस भव्य भोजन कार्यक्रम को करदाताओं के पैसे का फिज्-

लखर्ची मानते हैं, जबकि समर्थक इसे पशु कल्याण के लिए एक संवेदनशील कदम मानते हैं। यह विवादास्पद परियोजना पशुओं के प्रति मानवीय व्यवहार और जिम्मेदार शहरी प्रशासन के बीच की बारीक रेखा पर प्रकाश डालती है, तथा इस बात पर तीखी बहस छेड़ती है कि क्या बेंगलूरु के संसाधनों का लोगों और उसके चार पैरों वाले निवासियों के बीच उचित संतुलन बनाया जा रहा है।

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी जिले के चुनिंदा पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 30-दिवसीय निःशुल्क 'नवचेतना शिविर' वर्तमान में आठराडी स्थित श्री मंजुनाथेश्वर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा चिकित्सालय, सौख्यवन में चल रहा है। 1 जुलाई से शुरू हुए इस शिविर का उद्देश्य 71 पुलिसकर्मियों को बेहतर स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती प्रदान करना है। इस शिविर में प्रतिदिन कई तरह के स्वास्थ्य और फिटनेस सत्र आयोजित किए जाते हैं। प्रत्येक सुबह की शुरुआत सौख्यवन के प्रमाणित प्रशिक्षकों द्वारा संचालित एक घंटे के गतिशील योग सत्र से



होती है।

इसके बाद पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय के प्रशिक्षकों द्वारा एक घंटे का शारीरिक प्रशिक्षण दिया जाता है। कर्मियों का चयन उनके बाँड़ी मास इंडेक्स (बीएमआई) के आधार पर किया गया था। जिनका बीएमआई औसत से

अधिक था, उन्हें शिविर में भेजा गया। परिणामों के आधार पर, कई पुलिसकर्मियों ने अब अपने खान-पान में सुधार करना शुरू कर दिया है और एक स्वस्थ जीवनशैली अपना ली है। युवा सशक्तिकरण विभाग के उमेश मड्डू द्वारा फिटनेस प्रशिक्षण प्रदान

किया जा रहा है, जबकि स्वेग डांस अकादमी की सिनचना प्रकाश द्वारा जुम्बा सत्र संचालित किए जा रहे हैं।

शारीरिक गतिविधियों के अलावा, समग्र स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों

द्वारा स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिभागी प्रतिदिन शाम को एक घंटे की प्रकृति सैर भी करते हैं। जहाँ आवश्यक हो, फिजियोथेरेपी और स्ट्रीम बाथ उपचार भी दिए जा रहे हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि शिविर यह सुनिश्चित करता है कि सभी प्रतिभागियों को एक सख्त आहार योजना प्रदान की जाए। शिविर ने अपने पहले 10 दिन सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं, और 20 दिनों का प्रशिक्षण अभी बाकी है। इस पहल को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और इसे जिले के पुलिसकर्मियों की फिटनेस और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

मछली पकड़ने वाली नाव पलटी, मछुआरे की मौत



उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी के पादुकेरे समुद्र तट पर एक दुखद घटना घटी, जहाँ एक पारंपरिक मछली पकड़ने वाली नाव (नाद डोनी) तेज समुद्री लहरों के कारण पलट गई, जिससे एक मछुआरे की मौत हो गई। मृतक की पहचान पिथरोडी निवासी नीलू (48) के रूप में हुई है। नाव पलटने से नीलू समुद्र में गिर गया। वह मछली पकड़ने के जाल और अन्य उपकरणों में उलझ गया, जिससे उसका बचना असंभव हो गया। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। मालपे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है।

डीसी ने क्लॉक टॉवर-स्टेट बैंक रोड को दो-तरफा यातायात में परिवर्तित करने पर तत्काल रिपोर्ट मांगा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ के उपायुक्त (डीसी) एच.वी. दर्शन ने संबंधित अधिकारियों को शहर के मुख्य क्षेत्र में वर्तमान में एक-तरफा क्लॉक टॉवर-स्टेट बैंक मार्ग को दो-तरफा मार्ग में परिवर्तित करने के संबंध में तत्काल एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। गुरुवार शाम को डीसी कार्यालय के प्रजावाणी हॉल में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए, डीसी ने कहा कि एक-तरफा यातायात नियम के कारण जनता को होने वाली असुविधा के संबंध में कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं। उन्होंने स्मार्ट सिटी और एमसीसी के अधिकारियों को पुलिस आयुक्त के साथ समन्वय स्थापित करने और अगले सप्ताह एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिसमें दो-तरफा



यातायात को पुनः शुरू करने के लिए आवश्यक कार्यों और बजट का विवरण हो।

इस अवसर पर उपस्थित पुलिस उपायुक्त सिद्धार्थ गोयल ने बताया कि क्लॉक टॉवर मार्ग पर एक पुलिस स्टेशन और दमकल केंद्र सहित कई महत्वपूर्ण कार्यालय स्थित हैं, जिससे आपात स्थिति में एक-तरफा यातायात एक गंभीर बाधा बन जाता है। उन्होंने यह भी

बताया कि सड़क के एक किनारे का उपयोग अब बसों और अन्य वाहनों के लिए पार्किंग क्षेत्र के रूप में किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी के अधिकारियों ने समिति को बताया कि इस सड़क को एकतरफा मार्ग के रूप में विकसित किया गया था और अब इसे मेंगलूरु नगर निगम (एमसीसी) को सौंप दिया गया है। डीसी ने अधिकारियों को एनआईटीके की एक रिपोर्ट के आधार

पर स्टेट बैंक-हैमिल्टन सर्कल को वैज्ञानिक रूप से पुनः डिजाइन करने के तकनीकी कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। हंपनकट्टा सिग्नल जंक्शन के संबंध में, मध्य रेखा पर स्थायी बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं। एमसीसी आयुक्त ने कहा कि करावली, बंट्स हॉस्टल और बालमट्टा जैसे जंक्शनों पर एक महीने के भीतर लोहे की रेलिंग लगा दी जाएगी। डीसी के निर्देशों के अनुसार, सुचारू यातायात के लिए इन जंक्शनों पर बस स्टॉप को स्थानांतरित किया जाएगा। फुटपाथ अतिक्रमणों से निपटने के लिए, डीसी ने एमसीसी को अस्थायी बेदखली अभियानों पर निर्भर रहने के बजाय, पैदल यात्री क्षेत्रों पर अतिक्रमण करने वाले सड़क किनारों के विक्रेताओं और दुकानों के खिलाफ स्थायी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

एनएचआई के परियोजना निदेशक जावेद अब्दुल्ला ने बैठक में बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में वाहनों की आव-जाही को सुगम बनाने के लिए बैकमपडी राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोकट्टे क्रॉस के पास एक अंडरपास को मंजूरी आयुक्त ने कहा कि करावली, बंट्स हॉस्टल और बालमट्टा जैसे जंक्शनों पर एक महीने के भीतर लोहे की रेलिंग लगा दी जाएगी। डीसी के निर्देशों के अनुसार, सुचारू यातायात के लिए इन जंक्शनों पर बस स्टॉप को स्थानांतरित किया जाएगा। फुटपाथ अतिक्रमणों से निपटने के लिए, डीसी ने एमसीसी को अस्थायी बेदखली अभियानों पर निर्भर रहने के बजाय, पैदल यात्री क्षेत्रों पर अतिक्रमण करने वाले सड़क किनारों के विक्रेताओं और दुकानों के खिलाफ स्थायी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

गायों पर लगातार हमले जिहादी ताकतों की साजिश: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि गायों पर बार-बार हो रहे हमलों को देखें तो लगता है कि इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क है। कट्टरपंथी ताकतों और कट्टरपंथियों की कोई बड़ी जिहादी साजिश लग रही है। इस बारे में टूट करके हुए उन्होंने कहा कि अगर सरकार इसे गंभीरता से नहीं लेती और इन अत्याचारों पर रोक नहीं लगाती, तो राज्य भर में कड़ा संघर्ष छेड़ना



पड़ेगा। गौहत्या का अभिशाप गौहत्यारी कांग्रेस सरकार को नहीं बख्शा जाएगा। उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि

बेंगलूरु के चामराजपेट, रामनगर, होन्नावर तालुका के सालकोडा गाँव और शिवमोगा जिले के चिक्कमगलूरु के होसानगर में ऐसी

घटनाएँ हुई हैं। सिद्धरामैया सरकार के सत्ता में आने के बाद से राज्य में गायों के थन काटने की अमानवीय घटना बार-बार दोहराई जा रही है और चिक्कमगलूरु में उपद्रवियों ने एक बार फिर गायों के अधिकारों का हनन करके क्रूरता का परिचय दिया है। उन्होंने इस बात पर रोष व्यक्त किया है कि कट्टरपंथी ताकतें सिद्धरामैया सरकार की कमजोरी का फायदा उठाकर गायों पर हमला करके हिंदुओं को चुनौती दे रही हैं।

छात्र पर हमला मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सोलादेवनहल्ली पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने अपने आठ साथियों के साथ मिलकर 30 जून को बेंगलूरु के बाहरी इलाके में एक 19 वर्षीय कॉलेज छात्र के कपड़े उतारकर उस पर हमला किया था। 25 वर्षीय आरोपी हेमंत, दशरहल्ली का निवासी है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि वह खुद को छात्र संघ का नेता बताता है और सोलादेवनहल्ली में दो मामलों में नामजद है। उसे अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सोलादेवनहल्ली

पुलिस ने शिवशंकर एम., यशवंत पटेल, राहुल एम., संधी 20, हेमंत, तेजस एस., दोनों 18, राकेश आर 21, एन. शंकर गोड़ा, 19, और सलमान खान, 23 को गिरफ्तार करने की घोषणा की थी। इन पर कुशाल के.एम. पर हमला करने और उस लड़की के वीडियो और तस्वीरें डिलीट करने के लिए दबाव डालने का आरोप है, जिसका उससे ब्रेकअप हो गया था।

यह कथित हमला 30 जून को एजीबी लेआउट, हेसरघट्टा में हुआ था। कुशाल और नाबालिग लड़की, जो संदिग्धों में से एक है, का ब्रेकअप हो गया था। उसने

कुशाल को एजीबी लेआउट बुलाया, जहाँ आरोपियों ने उसका सामना किया, कथित तौर पर उसे जबरन कार में बिठाया और कई घंटों तक प्रताड़ित किया। उसके साथ बदसलुकी की गई, उसे अपमानित किया गया, उसके साथ मारपीट की गई और उसके कपड़े उतार दिए गए। गिरफ्तारी के समय, आरोपियों, जिनमें से कई छात्र थे, ने अदालत से अंतरिम जमानत ले ली थी, यह कहते हुए कि उन्हें परीक्षा देनी है, जो उपस्थिति कम होने के कारण वे नहीं दे सकते। पुलिस ने कहा कि वे अंतरिम जमानत को चुनौती देंगे।

फिर सुचारू रूप से आगे बढ़ी। दुरांग भूभाग, अप्रत्याशित मौसम और संभावित सुरक्षा खतरों के बीच इतनी बड़ी तीर्थयात्रा का प्रबंधन कोई आसान काम नहीं है। फिर भी, जम्मू कश्मीर पुलिस ने अन्य सुरक्षा और प्रशासनिक एजेंसियों के साथ मिलकर काम करते हुए इस जटिल अभियान को दक्षता और अनुशासन के एक आदर्श में बदल दिया।

हैदराबाद में हुआ यूपीआईटीएस 2025 का भव्य रोड शो

हैदराबाद, 11 जुलाई (व्यूरो)।

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2025 को लेकर योगी सरकार द्वारा आयोजित रोड शो सीरीज के तहत शुक्रवार को हैदराबाद के एफटीसीसीआई में दूसरा रोड शो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक उद्योगपतियों, निर्यातकों, व्यापार सलाहकारों और व्यापारिक संगठनों ने भाग लिया। यह रोड शो सितंबर में प्रस्तावित यूपीआईटीएस 2025 के लिए देशभर में जागरूकता और सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग, हैंडलूम, टेक्सटाइल एवं रेशम मंत्री राकेश सचान ने कहा, योगी सरकार के

- 150 से अधिक उद्योगपतियों व व्यापारिक संगठनों ने हिस्सा लिया
- टीम योगी ने यूपी में बढ़ती व्यापारिक संभावनाओं का किया उल्लेख



नेतृत्व में उत्तर प्रदेश न केवल देश की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना है, बल्कि अब वैश्विक व्यापार का केंद्र भी बनता जा रहा है। यूपीआईटीएस सिर्फ एक व्यापार मेला नहीं, यह हमारे



ीआईटीएस भारत का पहला राज्य स्तरीय अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो है। बीते वर्ष इसमें 500 से 600 करोड़ रुपए का व्यापार हुआ और टाइटन जैसी कंपनी ने एक स्थानीय कारीगर से ऑर्डर भी



जैसे क्षेत्रों में चमत्कारी परिणाम सामने आ सकते हैं। एफटीसीआई के अध्यक्ष सुरेश कुमार सिंघल ने उत्तर प्रदेश की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन देश के

2000 करोड़ का व्यापार अनुमानित है। इसके साथ ही, 2400 से अधिक प्रदर्शक, 1.25 लाख बी2बी और 4.5 लाख इ2उ विज़िटर के अतिरिक्त 35,000 बी2बी मीटिंग्स की संभावना है। इसमें 70 से अधिक देशों से 550 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के आने की उम्मीद है।

इस आयोजन में बी2बी जोन, बायर-सेलर मीटिंग्स, ओडीओपी डिस्प्ले, और क्लस्टर एक्सपोर्ट मॉडल जैसी सुविधाएं प्रदर्शित की गईं। यूपीआईटीएस 2025 को उत्तर प्रदेश सरकार और इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। आगामी रोड शो बंगलूरु, मुंबई और अहमदाबाद में आयोजित होंगे।

धर्मांतरण गिरोह के सरगना छांगुर बाबा पर बड़ा खुलासा

नेपाल के रास्ते मुस्लिम देशों से मंगाता था पैसे

500 करोड़ की हुई है विदेशी फंडिंग

बलरामपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)।

धर्मांतरण गिरोह के सरगना जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण कराने के नाम पर इस्लामिक देशों से हुई फंडिंग 500 करोड़ तक पहुंच गई है। हंडी और हवाला के जरिए नेपाल के रास्ते विदेशी धन छांगुर बाबा तक पहुंचता था। छांगुर के स्थानीय स्तर पर अब तक छह बैंक खाते मिले हैं। एसबीआई के खाते में छह लाख रुपए विदेश से जमा हुए हैं। इसके अतिरिक्त उसके सऊदी अरब के शारजाह, यूएई, दुबई के मशरक शहर में खोले गए बैंक खातों का रिकॉर्ड जांच एजेंसियां पता कर रही हैं।

धर्मांतरण और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोपी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर को लेकर नए-नए खुलासे हो रहे हैं। अब जांच में सामने आया है कि हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराने और देश विरोधी गतिविधियों के लिए छांगुर की टीम ने सर्वाधिक खर्च अयोध्या जिले में किया है। 2023 में बिहार में पकड़े गए एक एजेंट ने भी इसका इनपुट दिया था, लेकिन जिम्मेदारों ने तब गंभीरता नहीं दिखाई थी। हिंदू युवतियों के धर्म परिवर्तन, लव जेहाद और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोप में गिरफ्तार जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को बीते तीन वर्षों में करीब 500 करोड़ रुपए की विदेशी फंडिंग हुई है। इसमें से अभी बस 200 करोड़ की ही पुष्टि हो सकी है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार शेष 300



करोड़ रुपए का लेनदेन नेपाल के माध्यम से हुआ है।

फंडिंग के लिए काठमांडू सहित नेपाल के सीमावर्ती जिलों नवलपरासी, रुपनद-ही व बांके में 100 बैंक खाते खुलवाए गए। उन्हीं में धर्म परिवर्तन कराने के लिए पाकिस्तान, दुबई, सऊदी अरब व तुर्किए से पैसे भेजे गए। एजेंट चार से पांच प्रतिशत कमीशन पर नेपाल के बैंक खातों से पैसे निकालकर सीधे छांगुर तक पहुंचा देते थे। इसमें कैश डिपॉजिट मशीन (सीडीएम) की भी मदद ली जाती थी। रायबरेली में पकड़े गए साइबर अपराधियों को भी इसी कड़ी का एक हिस्सा बताया जा रहा है, जिनके तार पाकिस्तान और दुबई से भी जुड़े हैं। इस गिरोह ने करीब 700 करोड़ रुपए का लेनदेन किया है। इन्होंने अयोध्या के साथ ही लखनऊ, बलरामपुर व गोंडा में भी करोड़ों रुपए भेजे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार छांगुर के नेटवर्क से जुड़े लोग पहले विदेश से नेपाल के अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर करते थे। वहां से नेपाली करेंसी में रकम निकालकर भारत पहुंचाते थे। बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, लखीमपुर खीरी और महाराजगंज में बैठे मनी एक्सचेंजर से

भारतीय मुद्रा में बदलवाते थे। इसके साथ ही छांगुर को बड़ी मात्रा में फंडिंग हंडी के माध्यम से भी हुई है, जिसका विवरण न एटीएस के पास है और न ही दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के पास। नेपाल से रकम लाने में बिहार के मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्णिया, किशनगंज, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, सुपौल निवासी एजेंट भी छांगुर की टीम की मदद करते थे।

मुसलमान बनने के बाद जलालुद्दीन नाम रखने वाले नवीन रोहरा के कुल छह बैंक खाते हैं। इनमें 34.22 करोड़ रुपए जमा हुए, जिन्हें एटीएस संदिग्ध मान रही है। नीतू से नसरीन बनी छांगुर की सबसे विश्वासपात्र है। उसके आठ बैंक खाते हैं, जिनमें 24 फरवरी से 28 जून 2021 तक कुल 13.90 करोड़ रुपए जमा हुए हैं। छांगुर के स्थानीय स्तर पर अब तक छह बैंक खाते मिले हैं। एसबीआई के खाते में छह लाख रुपए विदेश से जमा हुए हैं। इसके अतिरिक्त उसके सऊदी अरब के शारजाह, यूएई, दुबई के मशरक शहर में खोले गए बैंक खातों का रिकॉर्ड जांच एजेंसियों को नहीं मिल सका है।

छांगुर बीते 15 वर्षों से हिंदुओं का गैरकानूनी तरीके से धर्म परिवर्तन कर रहा था। बृहस्पतिवार को एटीएस ने छांगुर और उसकी करीबी नीतू उर्फ नसरीन को लखनऊ जेल से रिमांड पर लेने के बाद पूछताछ शुरू की, जिसमें उसने यह खुलासा किया है। उन्हें जल्द बलरामपुर ले जाकर अवैध धर्मांतरण से जुड़े दस्ता-वेज बरामद करने की कोशिश है। एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि रिमांड के दौरान छांगुर से उसके गिरोह के बाकी सदस्यों के बारे में

जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही, उसकी संपत्तियां और विदेशी खातों से होने वाली फंडिंग का भी पता लगाया जा रहा है। छांगुर के खिलाफ दर्ज मुकदमे की जानकारी ईडी को भी भेजी गई है। इस मामले में पुणे निवासी मोहम्मद अहमद की भूमिका की जांच भी की जा रही है। वहीं दूसरी ओर ईडी ने भी छांगुर और उसके सहयोगियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ईडी ने छांगुर और उसके करीबियों के 40 बैंक खातों की जानकारी जुटाने के बाद आयकर विभाग से संचालकों के बीते 10 वर्ष के आयकर रिटर्न का ब्योरा मांगा है।

यूपी के बलरामपुर में धर्मांतरण का अड्डा बनी छांगुर की पांच करोड़ की कोठी पूरी तरह धराशायी कर दी गई। धर्मांतरण और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोपी छांगुर ने यह कोठी वर्ष 2022 में नीतू उर्फ नसरीन के नाम से बनवाई थी। दो दिन पहले मंगलवार को इसके ध्वस्तीकरण की कार्यवाई शुरू की गई। 10 बुलडोजर तीन दिन में कोठी ढहा पाए। आखिर में मुख्य गेट को धराशाई कर दिया गया। यह गेट सुरक्षा को देखते हुए तैयार किया गया था। इस पर संगमरमर लगाया गया था। एटीएस द्वारा छांगुर की गिरफ्तारी के बाद सरकारी बंजर जमीन पर बनाई गई कोठी ढहाने की कवायद शुरू की गई। पिलर पर बनी 40 कमरों की कोठी को गिराने में प्रशासन को काफी मशकत करनी पड़ी। एक मीटर भाग तोड़ने में एक घंटे से अधिक का समय लग रहा था। प्रतिदिन 10-10 घंटे बुलडोजर को चलाया गया। इसके बाद भी दो बिस्वा में बनी कोठी गिराने में तीन दिन लग गए।

गोरखपुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)।

सावन माह के पहले दिन मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार प्रातः काल रुद्राभिषेक और हवन किया। रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कर उन्होंने भगवान भोले शंकर से चराचर जगत के कल्याण और सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

शुक्रवार प्रातः गोरखनाथ मंदिर के अपने आवास के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में सीएम योगी ने भगवान भोलेनाथ को विल्व पत्र, दुर्वा, मदार पत्र, कमल पुष्प समेत अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने के बाद जल, दूध और ऋतुफल के रस से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत आचार्यगण एवं पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक संपन्न कराया। रुद्राभिषेक के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन किया। विधि विधान से पूर्ण हुए रुद्राभिषेक अनुष्ठान के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

सावन का शुभारंभ होते ही मंदिरों में विशेष पाठ और श्रृंगार का आयोजन शुरू हो गया। सभी प्रसिद्ध मंदिरों में हर रोज विशेष पाठ और महादेव का श्रृंगार किया



जाएगा। इस मौके पर पूरा माहौल शिवमय हो गया है। शंखनाद, घंटे घड़ियालों की गूंज और हर-हर महादेव के जयकारों के बीच शुक्रवार से सावन माह का शुभारंभ हो गया। प्रमुख शिवालयों में एक दिन पहले से ही धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो चुके हैं और हर कोना शिवमय हो उठा है। मंदिरों के बाहर बेलपत्र, भांग, धतूरा और पूजा सामग्री से सजी दुकानों पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जा सकती है। कोनेश्वर, मनकामेश्वर, बुद्धेश्वर और राजेंद्रनगर स्थित महाकाल मंदिर में भक्तों का उत्साह चरम पर है। हर मंदिर की अपनी कथा, अपनी आस्था, और अपनी विशेष तैयारी है।

लखनऊ में चौक स्थित प्राचीन कोनेश्वर मंदिर में भगवान शिव के विशेष पाठ की शुरुआत बृहस्पतिवार शाम 7 बजे से की गई। मंदिर के पुजारी अमर नाथ ने बताया, पूरे माह 25 ब्राह्मण रोजाना शाम 7 से रात 9 बजे तक

शिव पाठ करेंगे, जिसके बाद भव्य आरती होगी। श्रद्धालुओं के लिए हर सोमवार को ठंडाई का वितरण किया जाएगा। मंदिर में किए गए अद्भुत श्रृंगार को देखने के लिए दूर-दराज से लोग आ रहे हैं। ऐसी मान्यता है कि 40 दिनों तक नियमित शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मोहन रोड स्थित बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में इस बार भक्तों को हर दिन भगवान शिव का नया स्वरूप देखने को मिलेगा। मंदिर के पंडित रामपुरी महाराज ने बताया कि एक विशेष श्रृंगार समिति बनाई गई है जो महाकाल का भव्य श्रृंगार उनके प्रिय फल, फूल और पत्तों से करेगी। श्रद्धालुओं के लिए हर दिन विभिन्न प्रकार के भोजन प्रसाद की व्यवस्था भी की गई है। पौराणिक मान्यता है कि राम-लक्ष्मण और सीता ने वनवास के दौरान इसी स्थान पर भगवान शिव की पूजा की थी।

लड़कियों की खरीद फरोख्त करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

50 हजार रुपए में बेच डालते थे लड़कियां

लखनऊ, 11 जुलाई (एजेंसियां)।

यूपी की राजधानी लखनऊ की कृष्णानगर पुलिस ने लड़कियों की खरीद फरोख्त करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। यूपी पुलिस ने मध्य प्रदेश के सहडोल निवासी संतोष साहू और राजस्थान के साकेतनगर निवासी मनीष भंडारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी शादी या फिर अनेतिक काम के लिए एक लड़की को 50 हजार रुपए में बेचते थे। उसके पास से दो किशोरियां भी बरामद हुई हैं।

डीसीपी दक्षिण निपुण अग्रवाल ने बताया कि गिरोह का मास्टरमाइंड संतोष साहू अक्सर अपना ठिकाना बदलता रहता था। वह प्रयागराज में नैनी स्थित महेवा, करेली स्थित नयापुरा भावापुरा और धूमनगंज स्थित कालिंदीपुरम में भी रहा। वहीं, मनीष अजमेर में छिपकर रहता था। संतोष पर 25 हजार का इनाम घोषित था।

आरोपी 20 सिम और मोबाइल बदलकर लड़कियों को बेचने का काम करता था। गिरोह का नेटवर्क कई राज्यों में फैला है। लड़कियों की खरीद फरोख्त करने वाला गिरोह अकेली किशोरियों या युवतियों को निशाना बनाता था। कृष्णानगर इलाके से जिस किशोरी को आरोपी संतोष बेचने ले गया था, वह 28 जून को एक स्कूल के पास अकेली मिली थी। संतोष ने उससे बातचीत की तो पता चला कि किशोरी हिंदू धार्मिक है और मथुरा जाना चाहती है।

संतोष ने इसी बात का फायदा उठाकर किशोरी को झांसे में लिया और 30 जून को चारबाग रेलवे स्टेशन पर बुलाया था। किशोरी 30 जून को स्टेशन पहुंची और संतोष के साथ चली गई। एसीपी विकास कुमार पांडेय के मुताबिक पूछताछ में संतोष ने बताया कि वह दो साल तक छत्तीसगढ़ जेल में बंद था। मनीष भंडारी भी जेल में था। वर्ष 2024 में संतोष जेल से छूटा था। संतोष 12 साल से मानव तस्करी कर रहा है।

भोगांव से अगवा युवती लखनऊ में मिली, सपा नेता फंसे

मैनपुरी, 11 जुलाई (एजेंसियां)।

मैनपुरी के कस्बा भोगांव से अगवा हुई 24 साल की युवती लखनऊ में बरामद हुई। पुलिस ने उससे पूछताछ की और मेडिकल परीक्षण की प्रक्रिया शुरू कर दी। इस मामले में सपा नेता और उसके साथ लिप्त पाए गए हैं। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि फर्रुखाबाद की कंपिल नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन और उसके साथियों की तलाश में दबिश लगाता जारी है।

उसने अब तक 15 से ज्यादा लड़कियों को बेचने की बात कबूल की है। पुलिस अब दोनों आरोपियों को कस्टडी रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। संतोष ने बताया कि वह चारबाग रेलवे स्टेशन और आलमबाग बस स्टेशन पर अकेली लड़कियों पर नजर रखता था। ऐसी लड़कियां जल्दी उसके झांसे में आ

थाना क्षेत्र के एक मोहल्ला की रहने वाली 24 वर्षीय युवती 8 जुलाई को कोचिंग पढ़ाने के लिए गई थी। इसके बाद से वह घर वापस नहीं लौटी। युवती के भाई ने फर्रुखाबाद के कंपिल नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन एवं सपा नेता उदयपाल सिंह यादव और दो साथियों पर बहन का अपहरण करने का आरोप लगाया था। आरोप लगाया था कि जब फोन कर जानकारी करनी चाही तो पूर्व चेयरमैन ने फोन नहीं उठाया। कुछ

जाती थीं, जो घर से नाराज होकर निकली होती थीं। कृष्णानगर में रहने वाले सीएम सुरक्षा में तैनात पीएसओ की 16 वर्षीय बेटी पिता को मेसेज कर घर से निकल गई थी। बिरिया ने पिता को भेजे वॉइस मेसेज में बोला था कि पापा, मुझे मत खोजना भगवान के पास जा रही हूं। पिता ने कृष्णानगर

देर बाद उनके भाई के फोन पर व्हाट्सएप कॉल कर बहन को उठा कर ले जाने बात कहते हुए धमकाया था। भोगांव पुलिस ने बुधवार देर रात युवती को लखनऊ से ढूंढ़ निकाला और बृहस्पतिवार थाने में बयान दर्ज किए। पुलिस अब न्यायालय में बयान दर्ज कराने व मेडिकल की प्रक्रिया करा रही है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार पांडेय ने बताया कि पूर्व चेयरमैन की तलाश में दबिश जारी है।

थाने में 30 जून को बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई। छानबीन में पता चला कि किशोरी घर में रखी भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की मूर्त लेकर गई थी। डीसीपी ने बताया कि किशोरी मथुरा में प्रेमानंद जी महाराज से मिलने के लिए निकली थी। संतोष ने किशोरी को बहलाकर मथुरा ले जाने की बात कही। इसके बाद उसे

कानपुर ले गया और फिर दो दिन प्रयागराज स्थित अपने घर पर रखा। एक अन्य किशोरी भी मिली संतोष किशोरी को लेकर अपने साथी मनीष के पास पहुंचा और 50 हजार रुपए में उसे बेच दिया। किशोरी को मनीष के पास छोड़कर आरोपी वापस आने लगा। इसकी जानकारी होने पर किशोरी ने रोना शुरू कर दिया। पकड़े जाने के डर से मनीष ने किशोरी को साथ रखने से मना कर दिया और रकम वापस मांगी। संतोष ने उसे 45 हजार रुपए वापस कर दिए और किशोरी को लेकर लौट आया। उधर, किशोरी की तलाश में छह टीमें गठित की गईं। पुलिस टीम ने आठ जुलाई को किशोरी को खोज लिया। पूछताछ में किशोरी ने आपबीती बताई। इसके बाद बृहस्पतिवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। संतोष के पास से रायबरेली की एक अन्य किशोरी भी मिली है। परिजनों को पुलिस ने सूचना दे दी है।

संतोष पर प्रयागराज, वाराणसी, छत्तीसगढ़, प्रतापगढ़ और लखनऊ में

कुल छह केस दर्ज हैं। वहीं, मनीष पर दो केस पंजीकृत हैं। डीसीपी ने बताया कि इस राजफाश में कृष्णानगर थाने और सर्विलांस की टीम ने अहम भूमिका निभाई। अपराधियों से पूछताछ में सामने आया है कि गिरोह ने सबसे ज्यादा राजस्थान में लड़कियां बेची हैं। आरोपियों के साथी मध्य प्रदेश में सक्रिय हैं। लड़कियों को सबसे पहले मध्य प्रदेश ही ले जाया जाता है। यहां से उन्हें राजस्थान ले जाते हैं। हाल में ही घर से नाराज होकर निकली किशोरी को मानव तस्करी गिरोह ने जाल में फंसा लिया था। इसके बाद बच्ची को 2.75 लाख रुपए में राजस्थान के सीकर में एक व्यक्ति को बेच दिया था। आरोपियों ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड और राजस्थान समेत अन्य राज्यों में लड़कियों को बेचा है। संतोष ज्यादातर यूपी से ही लड़कियों को बहला फुसलाकर ले गया है। बताया कि जिन लोगों की शादी नहीं हो पाती थी वे लड़कियों की मांग करते थे और लाखों रुपए देते थे।

संपादकीय

सनातन का ‘चुनावी’ महाकुंभ

पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में, कुछ दिन पहले, एक मंच सजा था, जिससे वक्फ संशोधन कानून को कूड़ेदान में फेंकने और ‘शरिया लाओ’ की हुंकारें भरी गई थीं। एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया गया था। वह वैचारिक कम और राजनीतिक अधिक आयोजन था। अब उसी मैदान में भगवान परशुराम के जन्म-महोत्सव की आड़ में एक और मंच सजा है- ‘सनातन महाकुंभ।’ इस पूरे कार्यक्रम के आयोजक पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे थे। यदि इस मंच से सनातन धर्म पर कुछ उपदेश दिए जाते, विचार रखे जाते और सनातनियों के लिए संदेश दिए जाते, तो आयोजन को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक माना जा सकता था। जगद्गुरु रामभद्राचार्य मुख्य अध्यक्ष थे और बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री मुख्य आकर्षण थे। हालांकि बाबा ने स्पष्ट कहा कि वह राजनीति के लिए नहीं, रामनीति के लिए आए हैं। जब भारत ‘हिंदू राष्ट्र’ बनेगा, तो बिहार उसका पहला हिंदू-राज्य होगा। बाबा ने आह्वान किया कि बिहार के पागलो! यह गांठ बांध लो कि हमें ‘गजवा-ए-हिंद’ के स्थान पर ‘भगवा-ए-हिंद’ देश बनाना है। हम सब हिंदू एकाई को जितयों में मत बांटो।’ बाबा ने फिर यह साफ किया कि जिस-जिस पार्टी में हिंदू हैं, हम उन सभी पार्टियों के साथ हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव के बाद बाबा परयात्रा करेंगे। क्या बाबा बागेश्वर के कथनों और आह्वानों से स्पष्ट नहीं होता कि वह किस पार्टी के प्रचार के लिए आए थे? क्या धर्मगुरु का काम धर्म के नाम पर वोट मांगना ही रह गया है? जगद्गुरु रामभद्राचार्य बाबा बागेश्वर से बहुत आगे निकल गए। उन्होंने लालू यादव का नाम लिए बिना ही ‘चारा घोटाले’ का उल्लेख किया। उन्हें भारत सरकार ने इसी वर्ष ‘पद्मविभूषण’ से अलंकृत किया है। उन्हें ‘ज्ञानपीठ’ पुरस्कार भी मिला है। कथावाचकों को भी ‘पद्म’ सम्मान मिलने लगा है, किसी ने यह टिप्पणी की होगी, तो जगद्गुरु ने पलट जवाब दिया- ‘कमोवेश हम पशुओं का चारा नहीं खाते।’ रामभद्राचार्य ने भविष्यवाणी-सी की है कि इस बार राष्ट्र-विरोधियों, हिंदू-विरोधियों और राम-विरोधियों को सत्ता नहीं दी जाएगी। सत्ता उन्हें ही मिलेगी, जो हिंदुओं के लिए संघर्ष करेंगे, क्रांति करेंगे। रामभद्राचार्य ने लगभग हुंकार के अंदाज में यह भी कहा- ‘जो सनातन को बांटना चाहेगा, वह स्वयं बंट जाएगा। जो काटना चाहेगा, वह स्वयं कट जाएगा। जो सनातन को मिटाना चाहेगा, वह स्वयं मिट जाएगा। हम राष्ट्र-विरोधियों का दमन करेंगे।’ क्या ये शब्द किसी साधु-संत के प्रतीत होते हैं? क्या ये शब्द उग्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान सरीखे समानार्थी नहीं हैं? जगद्गुरु विचारोत्तेजक लगे, आक्रोशित लगे। यह मुद्रा जगद्गुरु की नहीं हो सकती। भगवान परशुराम पर कुछ शब्द भी समर्पित नहीं किए गए। रामभद्राचार्य और धीरेंद्र शास्त्री के वक्तव्य राजनीतिक

विदुओं के इर्द-गिर्द केंद्रित रहे। क्या धर्माचार्यों की भूमिका भी विल्कुल राजनीतिक हो गई है? दोनों साधु-संत भाजपा के प्रमुख प्रचारक की भूमिका में प्रतीत हुए। लिहाजा स्पष्ट लगता है कि चुनाव हिंदू-मुसलमान ध्रुवीकरण के आधार पर लड़े जाएंगे। आयोजन में अनेक साधु-संत उपस्थित थे। मुस्लिम राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खां और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा भी मंच पर मौजूद थे। किसी भी वक्ता ने बिहार की गरीबी, अनपढ़ता, पिछड़ेपन, पलायन आदि बुनियादी समस्याओं पर एक भी शब्द नहीं बोला। आयोजन को ‘महाकुंभ’ नाम देकर इस शब्द का अपमान किया गया। बिहार में जो ‘जंगलराज’ 20 साल पहले था, कमोवेश वह आज भी मौजूद है। इसी साल अभी तक 116 कत्ल किए जा चुके हैं। बलात्कार, डकैती, फिरोती आदि अपराधों को तो भूल ही जाएं। तब मुख्यमंत्री लालू यादव या राबड़ी देवी होते थे, बोते 20 साल से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। सरंआम भत्याएं आज क्यों हो रही हैं? साधु-संतों के सरोकार सामाजिक भी होते हैं। यदि उन्होंने ऐसे मुद्दे भी छुए होते, तो विचार व्यापक लगते। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने ‘जातीय गणना’ का भी विरोध किया।

हालांकि बाबा ने स्पष्ट कहा कि वह राजनीति के लिए नहीं, रामनीति के लिए आए हैं। जब भारत ‘हिंदू राष्ट्र’ बनेगा, तो बिहार उसका पहला हिंदू-राज्य होगा। बाबा ने आह्वान किया कि बिहार के पागलो! यह गांठ बांध लो कि हमें ‘गजवा-ए-हिंद’ के स्थान पर ‘भगवा-ए-हिंद’ देश बनाना है।

बिंदुओं के इर्द-गिर्द केंद्रित रहे। क्या धर्माचार्यों की भूमिका भी विल्कुल राजनीतिक हो गई है? दोनों साधु-संत भाजपा के प्रमुख प्रचारक की भूमिका में प्रतीत हुए। लिहाजा स्पष्ट लगता है कि चुनाव हिंदू-मुसलमान ध्रुवीकरण के आधार पर लड़े जाएंगे। आयोजन में अनेक साधु-संत उपस्थित थे। मुस्लिम राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खां और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा भी मंच पर मौजूद थे। किसी भी वक्ता ने बिहार की गरीबी, अनपढ़ता, पिछड़ेपन, पलायन आदि बुनियादी समस्याओं पर एक भी शब्द नहीं बोला। आयोजन को ‘महाकुंभ’ नाम देकर इस शब्द का अपमान किया गया। बिहार में जो ‘जंगलराज’ 20 साल पहले था, कमोवेश वह आज भी मौजूद है। इसी साल अभी तक 116 कत्ल किए जा चुके हैं। बलात्कार, डकैती, फिरोती आदि अपराधों को तो भूल ही जाएं। तब मुख्यमंत्री लालू यादव या राबड़ी देवी होते थे, बोते 20 साल से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। सरंआम भत्याएं आज क्यों हो रही हैं? साधु-संतों के सरोकार सामाजिक भी होते हैं। यदि उन्होंने ऐसे मुद्दे भी छुए होते, तो विचार व्यापक लगते। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने ‘जातीय गणना’ का भी विरोध किया।

कुछ

अलग

मां समाज ही प्यार देना होगा

नेताओं

अधिकारियों ने पौधरोपण करते हुए तस्वीरें खिंचवाई, हरियाली बढ़ने के कागजी दावे पेपर कर पेड़ बचाने का संदेश दिया और इसके साथ ही पर्यावरण दिवस मनाने की औपचारिकताएं पूरी हो गईं। अब साल भर पेड़ों पर आरी चलती रहे, हरियाली खत्म कर कंक्रीट के जंगल खड़े करते रहे किसी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट का कभी डंडा पड़ा तो थोड़ी बहुत कार्रवाई करते हुए दिखाने की औपचारिकता निभा दी जाएगी। अभी कुछ दिन पहले ही हमने ग्रेटर नोएडा का हाल बताया था, जहां सेक्टर और सड़क बनाने की राह में कई पुराने पेड़ आ रहे थे। बिना इजाजत इन्हें काट तो सकते नहीं तो बीच का रास्ता निकाला गया। इन पेड़ों की जड़ों को इतना खोखला कर दिया गया कि कुछ दिनों में ये अपने आप ही सूख जाएं या जरा सी आंधी में टूट कर गिर जाएं। कुछ जगहों पर तो पेड़ों के चारों तरफ 5 से 10 फुट की मिट्टी खाद दी गई, जिससे ये टेलेंनुमा ढेर पर खड़े होकर बस अपने आंखिरी दिन गिन रहे हैं। जिम्मेदारों से सवाल किया तो वही रटारटायन जवाब मिला कि ऐसा है तो कार्रवाई करेंगे। यही हाल हरियाणा में अरावली की पहाड़ियों का है, जहां सुप्रीम कोर्ट की रोक के बावजूद थड़रले से अवैध खनन जारी है। नूंह इलाके में तो खनन माफियाओं ने पूरे पहाड़ी ही खोद डाली और लाखों टन पत्थर निकालकर राजस्थान ले गए।

दृष्टि

कोण

बड़े धार्मिक आयोजनों का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी

प्रयागराज

कुंभ मेले में और इसी साल जून माह में बंगलूरु में आईपीएल मैच में मची भगदड़ की स्मृतियां विलोपित हो नहीं हो पाई थीं कि पुरी में चल रहे भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भगदड़ मचने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। मंदिर में प्रवेश का रास्ता केवल एक था, बाहर जाने का मार्ग बंद कर दिया था, क्योंकि वहां से वीआईपी लोग दर्शन के लिए जा रहे थे। आम भक्तों के लिए बाहर आने का दूसरा कोई मार्ग नहीं था। इसी समय मंदिर में दो ट्रक लकड़ी और अनुष्ठान सामग्री से भरे इसी संकीर्ण मार्ग से भीतर भेज दिए गए। ट्रकों के कारण भीड़ में अफरा-तफरी मच गई और हादसा घट गया। साफ है, प्रशासनिक प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते श्रद्धालु हादसे के शिकार हो गए। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा की

चूक के लिए क्षमा मांगते हुए पुरी के कलेक्टर का अविलंब स्थानांतरण कर दिया। स्थानांतरण कोई सजा नहीं होती। वास्तव में कुंभ मेले में और आईपीएल क्रिकेट मैच में हुए हादसों से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत थी, जिससे रथयात्रा में भगदड़ से बचा जाए। भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है। धर्म स्थल इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती। लिहाजा राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस



अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोवेश बेकाबू ही नहीं हुए होते? आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चुकते दिखाई देते हैं। रथयात्रा की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की जाती है। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है। फलतः जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ गया कि सारे रास्ते

देश

दुनिया से

बढ़ते खतरें में हिमाचली जन-जीवन

विकास

सूचकांक में प्रगतिशील हिमाचल गत वर्षों से लगातार प्राकृतिक आपदाओं में घिरता जा रहा है। बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। जहां 2018 में बादल फटने की 21 घटनाएं हुईं, तो 19 में 16, 20 में 3, 21 में 30, 22 में 39, 23 में 65 घटनाएं हुईं। 2024 में 57 घटनाएं हुईं। अभी बरसात के आरंभिक चरण में ही 14 से ज्यादा जगह बादल फटा है और 69 लोग अकाल मृत्यु का प्रास बन चुके हैं। अभी असली बरसात तो शेष है। आगे क्या होगा, यह सोच कर ही दिल दहल जाता है। क्या कारण हैं कि प्रकृति हिमाचल पर इतनी नाराज है। किन्तु उत्तराखंड का हाल भी अच्छा नहीं है। इसका अर्थ हुआ कि हिमालय में सब जगह ही प्रकृति क्रुद्ध हो चुकी है। बादल फटने की घटना का अर्थ है एक छोटे 20-30 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बादलों का सघन होकर एक घंटे में 10 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हो जाना। मंडी में दुर्घटना वाले दिन 21 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है। इससे भीषण बाढ़ और भूस्खलन की स्थितियां बन गईं। जाहिर है कि ये घटनाएं वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण हो रही हैं। चिंता की बात यह है कि हिमालय में औसत से ज्यादा तापमान वृद्धि हुई है। इसी कारण लगातार हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की घटनाएं साल दर साल बढ़ती जा रही हैं। उस पर तुरं यह कि हिमाचल में द्वांचांगत विकास और बड़ी परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर वन भूमियों का भूमि उपयोग बदला गया है। वन संपदा घटी है और तोडफोड़ बढ़ी है। इसके चलते हिमालय की नाजुक धरती भारी बारिश का दबाव न झेल सकने के कारण भूस्खलन का शिकार हो रही है और अभूतपूर्व तबाही का कारण बन रही है। चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरा सबसे बड़ा वायु प्रदूषण कर्ता बन गया है, जिससे हरित प्रभाव के कारण तापमान में वृद्धि हो रही है। किन्तु हिमालय में औसत से ज्यादा तापमान वृद्धि पर्यटन के कारण और अन्य कारणों से भी बढ़ती परिवहन की भीड़ के कारण गाडियों से भी



भारी प्रदूषण हो रहा है। पहाड़ों की संकरी घाटियों में प्रदूषित वायु अटक जाती है। शायद यह भी तापमान बढ़ने का कारक हो सकता है। हिमाचल के बांधों की झीलों में बांधों से बह कर आने वाला मलबा अपने साथ जैविक पदार्थ भी लाता है, जो झीलों के तले में बैठ जाता है। यह जैविक पदार्थ जब बिना ऑक्सीजन के सड़ता है तो मीथेन गैस पैदा करता है। मीथेन कार्बन डाई आक्साइड की तुलना में 28 से 64 गुणा ज्यादा ग्रीन हाउस प्रभाव पैदा करती है। यह भी औसत से ज्यादा तापमान वृद्धि का कारण हो सकता है। इस मुद्दे को सघन वैज्ञानिक शोध की जरूरत है। अमेरिकी लेखक पीटर ब्रेविट की पुस्तक ‘सेम रिवर दिवस’ में लेखक ने बांधों की झीलों से जैविक पदार्थों के आक्सीजन रहित अपघटन से मीथेन गैस पैदा होने की बात की पुष्टि की है, जिसके चलते ही अमेरिका में वर्जिनिया की रेपानहो नदी पर अम्ब्रे बांध को हटायी गया जिससे मीथेन उत्सर्जन में कमी दर्ज की गई। नासा के मैथ्यू जॉनसन की 2021 की शोध के अनुसार विश्व में 3 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र बांधों की झीलों के नीचे है, जिसमें 10.1 टेराग्राम (10 अरब 10 लाख किलो) मीथेन हर वर्ष पैदा होती है। हालांकि पुराने अनुमान के अनुसार यह मात्रा 70 टेराग्राम है। फोरलेन सडकों के कारण होने वाली तोडफोड़ और बढ़ती सडक कनेक्टिविटी के कारण होने वाले निर्माण कार्यों में पर्वत विशिष्ट तकनीक का आभाव है। खासकर टेकेदारी प्रथा के चलते डंपिंग कार्य में भारी कोताही बरती जा रही है। बांध प्रबंधन में

भी लापरवाही देखने में आई है। कहीं बाढ़ के समय बांध के गेट ही नहीं खुलते हैं और कहीं बाढ़ नियंत्रण के लिए बांध में समय रहते, बाढ़ के पानी को रोकने योग्य जगह ही समय पर पानी छोड़ कर खाली नहीं की जाती, जिससे बाढ़ का पानी रोकना नहीं जा सकता और तत्काल अचानक छोड़ना पड़ता है, जिससे सामान्य से भी ज्यादा बाढ़ आ जाती है। इन सब लापरवाहियों के चलते हिमाचल में जीवन खतरे में घिरता जा रहा है, जिसका प्रभाव पर्यटन पर भी बुरा पड़ेगा। पर्यटन विकास के लिए टंडा मौसम, सुंदर पर्वतीय वृक्ष और वनस्पतियों से घरी ढलाने, और पर्याप्त बर्फ जरूरी तत्व हैं। बाकी आवास आदि सुविधाएं तो बाद में आती हैं। पर्यटन का बुनियादी आकर्षण ही समाप्त हो जाएगा तो पंच सितारा सुविधाएं भी पर्यटन को बचा नहीं पाएंगी। इसलिए कुछ तथ्यपूर्ण मान्यताएं हैं जिनको मान कर ही पर्वत विशिष्ट विकास योजनाएं बनाई जा सकती हैं जो प्रकृति मित्र और टिकाऊ विकास लाने वाली होंगी:
1. हिमालय पूरे देश के लिए सदानीरा नदियां देने वाला और जलवायु निर्धारित करने वाला क्षेत्र है।
2. हिमालय नाजुक, अगम्य और हाशिए पर है।
3. इसके वनों और हिमनदों की रक्षा करना देश हित का कार्य है।
4. हिमाचल में पर्यटन जैसे पर्यावरण मित्र विकास को टिकाऊ बनाने के लिए सारे विकास मॉडल को पर्यावरण मित्र बनाना पड़ेगा।
5. तोडफोड़ वाले विकास के विकल्प तलाश करने होंगे।
6. वाहन प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार करना होगा।
सात, इलेक्ट्रिक वाहन, हाइड्रोजन वाहन और रज्जू मार्गों को मुख्यधारा परिवहन व्यवस्था का भाग बनाना होगा।
8. निर्माण कार्यों में गुणवत्ता में समझौता न हो और वृहद निर्माण कार्यों से बचना होगा।
9. बड़ी जलविद्युत परियोजनाएं उपयुक्त नहीं हैं। उनके विकल्प ढूंढ़ने होंगे। झीलों से मीथेन पैदा होती है।
10. हिमालय में स्माल इज ब्यूटीफुल के सिद्धांत पर विकास करना होगा।

आप का

नजरिया

प्रयोगों ने मार दिया ‘गुरु’

हमारी

मूल्यांकन की कसौटी पर चढ़ते हैं अभिभावक, जबकि बच्चों के जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाते हैं। प्रांगण बढ़ते गए, लेकिन बच्चों के जिंदगी के 25 साल जाया होने लगे। जिंदगी की कल्पना, भविष्य की ऊर्जा और अपनों की चहलकदमी शिक्षण संस्थानों में होनी चाहिए, लेकिन वहां महज परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का सोच और शिक्षा का इतिहास बदल दिया। प्रयोग इतने कि शिक्षक व्यवस्था का कर्मचारी और विभिन्न नीतियों का बंधुआ हो गया। शिक्षा और छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण से इतर अगर शिक्षक को अपनी कलम घिसनी पड़े, तो यह श्रम साधना नहीं, बल्कि शिक्षा को आगे धकेलना है। बेशक कारण बताओ नोटिफ़ी का फ़ॉस शिक्षक को जवाबदेह बना सकती है, लेकिन सरकारी स्कूलों की मिट्टी में अब बचा क्या है। सर्वश्रेष्ठ करवा कर देखें कि सरकारी स्कूलों में प्रवेश पाने वाले बच्चों के अभिभावक सिर्फ़ इसलिए उन्हें वहां भेज रहे हैं ताकि फिर वे अपने बच्चों के प्रति बेपरवाह-लापरवाह होकर निश्चित रहें। जाहिर है सरकारी स्कूलों में अगर उत्साहपूर्वक माहौल नहीं रहा, तो नीतियों और कार्यक्रमों की लंबी फाइलें भी दोषी हैं। आश्चर्य यह है कि स्कूली बच्चों के व्यक्तित्व,

व्यक्तित्व मूल्यांकन की कसौटी पर रहा है। हमने स्कूलों में शिक्षा का चढ़ते हैं अभिभावक, जबकि बच्चों के पवित्र स्थापित नहीं किया। वैवाहिक जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, विश्वविद्यालयों की गुणाली फैकाता है, तो स्थानांतरण के नाम पर मां गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। जिन्हें पुरस्कार मिलते हैं या मिल चुके हैं, क्या वे बेहतर पीढ़ी बना पाएंगे। परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का हमारा मानना है शिक्षा के लिए शिक्षक को दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। होनी चाहिए, लेकिन वहां महज जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाती है। प्रांगण बढ़ते गए, सियासत के कश्मिरे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस



रूस का यूक्रेन की राजधानी कीव पर हवाई हमला, दो की मौत, 22 घायल

कीव, 11 जुलाई (एजेंसियां)।

रूस ने नौ जुलाई की शाम छह बजे से दस जुलाई की पूरी रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर ताबड़तोड़ हवाई हमला कर आधारभूत संरचना को भारी क्षति पहुंचाई है। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए।

यूक्रेन की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी यूक्रिनफॉर्म ने खबर प्रसारित

की है। खबर के अनुसार, रूस ने खासतौर पर कीव को निशाना बनाया। उसने ब्रांस्क, प्रिमोर्सको-अख्तरस्क, कुर्सक, ओर्योल और मिलरोवो से 397 यूएवी (शाहेड ड्रोन) से हवाई हमला किया। ब्रांस्क क्षेत्र से आठ इस्कंदर-एम बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसके अलावा सारातोव क्षेत्र के ऊपर रूसी हवाई क्षेत्र से छह केएच-101 क्रूज मिसाइलें और कुर्सक क्षेत्र से चार

एस-300 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं।

यूक्रिनफॉर्म ने दावा किया कि यूक्रेन के वायु रक्षा बलों ने 178 रूसी हवाई खतरों को निष्क्रिय कर दिया। रूस ने कुल 415 प्रेक्षपास्त्र दागे। रूस के हवाई हमले का जवाब यूक्रेनी विमानन, वायु रक्षा मिसाइल बलों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ईडब्ल्यू) इकाइयों, ड्रोन रक्षा प्रणालियों और यूक्रेनी रक्षा बलों के

मोबाइल फायर समूहों ने दिया। कीव पर रूसी हमले में घायलों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। इसके अलावा दो लोगों की जान चली गई। 10 जुलाई की रात कीव पर हुए रूसी हवाई हमले में कीव मेट्रो पुलिस के एक 22 वर्षीय पुलिस कॉर्पोरल की मौत हो गई। मेयर क्लिट्स्को ने बताया कि पोटिल्स्की जिले में रूसी हमले में प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वच्छता

सहायता केंद्र संख्या 1 का बाह्य रोगी क्लीनिक नष्ट हो गया। इसके अलावा यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) के एक अधिकारी की कीव के होलोसिव्स्की जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई।

इस बीच यूक्रेन के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ जनरल ओलेक्सान्द्र सिर्सकी ने एक विशेष बैठक में सैन्य चिकित्सा की वर्तमान चुनौतियों पर चर्चा की है।

न्यूज़ ब्रीफ

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी अर्थशास्त्री अबुल बरकत गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के एक और करीबी पर अंतरिम सरकार ने शिकंजा कसा है। देश के प्रमुख अर्थशास्त्री और जनता बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अबुल बरकत को गुरुवार देररात ढाका पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनकी गिरफ्तारी एनॉनटेक्स समूह से जुड़े 297 करोड़ टका के

गबन के आरोप में की गई है। खबर के अनुसार, संयुक्त आयुक्त नसीरुल इस्लाम ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि ढाका मेट्रोपॉलिटन डिस्ट्रिक्ट ब्रांच ने गुरुवार रात करीब 11:30 बजे धनमंडी-2 से बरकत को हिरासत में लिया। भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने 20 फरवरी को बरकत और 22 अन्य लोगों के खिलाफ एनॉनटेक्स समूह के अंतर्गत 22 संस्थाओं को कथित रूप से अवैध ऋण देने का मामला दर्ज किया था। आरोप लगाया गया है कि बरकत ने बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर अतीउर रहमान और अन्य लोगों के साथ मिलकर धनराशि वितरित करने के लिए जाली दस्तावेजों में मिलीभगत की। आयोग का दावा है कि इससे सार्वजनिक कोष को भारी नुकसान हुआ। प्रो. बरकत ढाका विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष और बांग्लादेश अर्थशास्त्र संघ के अध्यक्ष रह चुके हैं। अवांभी लीग सरकार ने उन्हें जनता बैंक के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया था।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को श्री 5 महाराजाधिराज लिखने के कारण संवाद सचिव हिरासत में



काठमांडू। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के नाम पर वक्तव्य जारी करते समय उनके नाम के आगे श्री 5 महाराजाधिराज की उपाधि लिखने के कारण उनके संवाद सचिव फणीराज पाठक को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस की इस कार्यवाही पर राजा समर्थक दल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने आपत्ति जताई है। काठमांडू पुलिस के प्रवक्ता एसपी अपील राज बोहरा ने बताया कि संविधान के विपरीत आचरण करने के आरोप में पूर्व राजा के संवाद सचिव फणीराज पाठक को हिरासत में लिया गया है। एसपी बोहरा ने बताया कि पूर्व राजा के नाम पर जारी वक्तव्य में या सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनके नाम के आगे राजतंत्र की शैली में श्री 5 महाराजधिराज का संबोधन किया जा रहा है। इस बात को लेकर संसद में कई सांसदों ने आपत्ति जताई थी, जिसके बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

पुजारी ने अंदर बुलाया और आर्शावाद के बहाने महिला से की अश्लील हरकत



कुआलालम्पुर। मलेशिया की मॉडल और पूर्व मिस ग्रैंड मलेशिया ने एक हिंदू पुजारी पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। मॉडल ने कहा है कि पुजारी ने मंदिर में पूजा के दौरान उन्हें 'आर्शावाद देने' के बहाने अंदर बुलाकर और छेड़छाड़ की। मलेशिया की मॉडल ने सोशल मीडिया पर साझाकर बताई हकीकत यह घटना मलेशिया सेपांग जिले के मरियम्मन मंदिर में पिछले शनिवार की बताई जा रही है। आरोप लगने के बाद पुलिस ने आरोपी पुजारी की तलाश शुरू कर दी है। पीड़िता ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि वह पूजा कर रही थी, तभी पुजारी ने कहा कि वह मुझे एक खास पवित्र जल और धागा देना चाहता है, जो भारत से आया है। उसने कहा कि ये आम भक्तों को नहीं दिया जाता है। मीडिया रिपोर्ट में मॉडल के मुताबिक पुजारी ने उसे मंदिर के कमरे में बुलाया और वहां एक तेज गंध वाला तरल पदार्थ पानी में मिलाया। इसके बाद पुजारी ने बार-बार उनके चेहरे पर पानी डाला, जिससे वह अपनी आंखें नहीं खोल पा रही थीं। इसके बाद पुजारी उनके कपड़े उठाने लगा और जब मॉडल रोका तो उनके कपड़ों को 'बहुत टाइट' कहकर ताना मारा। इसी दौरान वह उनके पीछे खड़ा हो गया और उनके ब्लाउज में हाथ डालकर अश्लील हरकत करने लगा। पीड़िता ने आगे बताया कि मुझे उस पल में सब कुछ गलत लग रहा था, लेकिन मैं हिल तक नहीं पाई। न बोल सकी, न भाग सकी। आज भी समझ नहीं पाती कि क्यों। सबसे ज्यादा दुर्द इस बात का है कि ये सब एक मंदिर में और एक पुजारी ने किया। मॉडल ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने पुलिस में शिकायत की तो जांच अधिकारी ने उन्हें धमकी दी कि यदि वे इस घटना को सार्वजनिक करती हैं, तो 'उन्हीं को दोषी ठहराया जाएगा।

अमेरिका ने नागरिकों को दी सख्त चेतावनी किसी भी हालत में न करें ईरान यात्रा

वाशिंगटन, 11 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच हालात फिर तनाव की ओर बढ़ रहे हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों को ईरान नहीं जाने की सलाह दी है। अमेरिका की ओर से ईरान यात्रा को लेकर नई एडवाइजरी जारी की गई, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि नागरिकों को किसी भी स्थिति में ईरान की यात्रा नहीं करनी चाहिए।

अमेरिकी विदेश विभाग के वाणिज्य दूतावास कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, अमेरिकी नागरिकों को किसी भी कारण से ईरान नहीं जाना चाहिए। ईरान में अमेरिकी नागरिकों को बिना किसी चेतावनी और अपराध का कोई सबूत दिए अगवा किया गया है और गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया है। इनमें दोहरी नागरिकता (यूएस-ईरानी) रखने वाले नागरिक भी शामिल हैं। कुछ को झूठे आरोपों में सालों तक कैद रखा गया, मानसिक यातना दी गई और यहां तक कि मौत की सजा भी सुनाई गई है। सिर्फ अमेरिकी पासपोर्ट होना या अमेरिका से संबंध होना ही ईरानी अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी का कारण बन सकता है।

अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टेमी ब्रूस ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा, ईरानी शासन दोहरी नागरिकता को मान्यता नहीं देता है और हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों को नियमित रूप से कांसुलर सहायता देने से इनकार करता है। उन्होंने कहा कि हालांकि बमबारी रुक गई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि ईरान की यात्रा करना सुरक्षित है।



भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला 14 को लौटेंगे धरती पर



टेक्सास। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने इसकी जानकारी दी। एक्सियम-4 मिशन के तहत शुभांशु सहित चार क्रू सदस्य इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे थे। एक्सियम मिशन को 25 जून को फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। ड्रैगन अंतरिक्ष यान 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर डॉक किया गया था। हालांकि, यह मिशन 14 दिनों का था। अब एस्ट्रोनॉट की वापसी चार दिन देरी से होगी। इससे पहले 6 जुलाई को शुभांशु के आईएसएस स्टेशन से कुछ तस्वीरें सामने आई थीं। जिसमें शुभांशु कपोला मॉड्यूल के विंडो से पृथ्वी देखते नजर आ रहे थे। कपोला मॉड्यूल एक गुरुद्वारा ऑब्जर्वेशन विंडो है, जिसमें 7 खिड़कियां होती हैं।

टैमी ब्रूस ने यह भी बताया कि अमेरिकी सरकार एक नई वेबसाइट लॉन्च कर रही है, जिसका उद्देश्य अमेरिकियों को ईरान यात्रा से सावधान करना है। ब्रूस ने कहा, हम अमेरिकियों को ईरान की यात्रा के प्रति आगाह करने के लिए एक नई वेबसाइट भी शुरू कर रहे हैं। आप कई भाषाओं में देख सकते हैं। हमारी यात्रा

संबंधी एडवाइजरी भी वहां उपलब्ध है। वो अभी भी लागू है।

विदेश विभाग की प्रवक्ता ने कहा, हम ये बात बार-बार दोहराते हैं कि ईरान की यात्रा न करें, खासकर वो लोग जो दोहरी नागरिकता रखते हैं या ईरानी मूल से हैं। यह किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं है।

माल्टा में फैशन वीक



माल्टा में फैशन वीक के दौरान परिधानों को पेश करती हुई एक मॉडल।

नेपाल को तिब्बत के हिम ताल का तटबंध टूटने की सूचना चीन ने नहीं दी, इसलिए बाढ़ से हुई तबाही



काठमांडू, 11 जुलाई (एजेंसियां)।

चीन प्रशासित तिब्बत क्षेत्र में हिम ताल का तटबंध टूटने के कारण नेपाल के रसुवागढ़ी में आई बाढ़ से जनधन की व्यापक क्षति हुई है। चीन प्रशासन ने इस बारे में कोई भी पूर्व सूचना नेपाल सरकार को नहीं दी। अगर इसकी सूचना समय पर मिल जाती तो तबाही को कुछ हद तक रोका जा सकता था।

राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण के प्रमुख दिनेश भट्ट ने कहा कि चीन के

तिब्बत में हिमनद के तटबंध टूटने और बाढ़ की पूर्व सूचना नहीं दिए जाने के कारण नेपाल को बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है। भट्ट का दावा है कि सीमावर्ती क्षेत्र के जिलों में मानसून को लेकर सतर्क रहने की औपचारिक सूचना तो दी गई लेकिन इतने बड़े पैमाने पर बाढ़ आने की कोई पूर्व जानकारी नहीं दी गई। रसुवागढ़ी जिला प्रशासन ने भी गृह मंत्रालय को अवगत कराया है कि चीन ने इस बारे में कोई भी पूर्व सूचना नहीं दी। गृह

मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद्र तिवारी ने कहा कि यदि पूर्व सूचना मिल जाती तो जनधन की भारी नुकसान से बचाया जा सकता था। उल्लेखनीय है कि सीमावर्ती को आई विनाशकारी बाढ़ में बहे नौ लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। 19 लोगों अभी भी लापता हैं। बाढ़ में 24 मालवाहक कंटेनर, 35 इलेक्ट्रिक व्हीकल, 6 छोटे ट्रक बह गए हैं। इसके अलावा चीन सरकार का निर्माणधीन ड्राइवेट बह गया है।

पाकिस्तान में बस से नौ यात्रियों को उतारकर ले गए आतंकी, गोली से भूना, बीएलए ने लिया जिम्मा

इस्लामाबाद, 11 जुलाई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के झोब और लोरलाई जिलों की सीमा पर स्थित सुर-दकई इलाके में गुरुवार रात हथियारबंद आतंवादियों ने पंजाब जाने वाली दो बसों में सवार कम से कम नौ यात्रियों का अपहरण कर उनकी गोलीमार कर हत्या कर दी। वारदात के कुछ समय बाद इसकी जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने ली।

खबर के अनुसार, झोब के सहायक आयुक्त नबीद आलम ने कहा कि दो बसों से अगवा किए गए नौ लोगों की हत्या कर दी गई है। उनके शव बरामद कर लिए गए हैं। शवों को पंजाब में उनके



पैतृक शहरों में भेजने के लिए राखनी ले जाया जा रहा है। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों संगठन ने तीन काकट, मस्तूग और सुर-दकई पर हमले किए हैं। सुर-दकई इलाके में कुछ यात्रियों को अगवा किया गया है। सुरक्षा बलों ने बाकी अपहृत यात्रियों की सुरक्षित बरामदगी के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। बताया गया है कि पंजाब जा रही दो बसों को एन-70 राजमार्ग के पास सुर-दकई इलाके में जाम लगाकर रोका गया। इसके बाद हथियारबंद यह लोग बसों में चढ़ गए। यात्रियों के पहचान पत्र जांचे। इनमें 10 को बंदूक के दम पर बसों से उतारकर अपने साथ ले गए। एक बस यात्री ने बताया कि कुछ देरबाद गाँवियों की आवाज सुनाई पड़ी। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षाबलों ने सारे राजमार्ग पर जगह-जगह नाकाबंदी कर आतंकवादियों की तलाश शुरू कर दी है। प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने हमलों की जिम्मेदारी ली है। समूह के प्रवक्ता ने

कहा कि लड़ाकों ने मुसाखाइल-मखार और खजूरी के बीच राजमार्ग को अवरुद्ध करने के बाद नौ व्यक्तियों की हत्या कर दी।

खबर के अनुसार, मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने यात्रियों की गुंशंस हत्या की कड़ी निंदा की है। बुगती ने कहा कि हमलावरों ने जानबूझकर निर्दोष नागरिकों को उनकी पहचान के आधार पर निशाना बनाया। बुगती ने कहा कि आतंकवादियों ने एक बार फिर अपनी कायरता और पाशविक प्रवृत्ति का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने यात्री बसों की सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की है और एन-70 पर रात को यात्रा प्रतिबंधित है। हालांकि, एक बस सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए शाम के समय एन-70 मार्ग से रवाना हुई। सरकार जांच कर रही है कि सुरक्षा व्यवस्था की किन खामियों के कारण यह वारदात हुई। उन्होंने यह पुष्टि की कि एक सामान्य आतंकवादी धमकी पहले मिली थी।

समर्थित वारंटो प्रदान करेंगे। इसमें पांच साल या 5 लाख किलोमीटर की वारंटो शामिल होंगे, जबकि वाहनों और मोटरों के लिए वारंटो पांच साल या 2.5 लाख किलोमीटर, जो भी पहले होगा। उल्लेखनीय है कि प्रथममंत्री नेन्द मोदी को अध्यक्षता में केन्द्रीय समिष्टलेन 11 सितंबर 2024 को देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिलियन्स इन इनोवेटिव व्हीकल एह्रासिपे (पीएम ई-ड्राइव) योजना को अपनी मंजूरी दे दी थी। इस योजना का अंकी वर्षों की अवधि में वित्तीय पक्षिय 10,900 करोड रुपये है।

ई दिल्ली। अमेरिका की आर्थिक और भू-राजनीतिक नीतियों ने कई देशों को डोलर की जगह अन्य मुद्राओं में व्यापार करने को मजबूर कर दिया है। तेलबल ट्रेंड सेसेसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक अमेरिका द्वारा रूस, ईरान और वेनेजुएला पर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते डोलर आधारित भुगतान बाधित हुआ है, जिससे भारत, चीन और अन्य देशों ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार शुरू किया। जीटीआरआई के सह-संस्थापक ने कहा कि यह बदलाव कोई विद्रोह नहीं, बल्कि विश्वता का परिणाम है। भारत भी रूस से तेल खरीदने रुपये और यूएस डॉलर मुद्रा विरहमा का उपयोग कर रहा दाहतरणस्वरूप, रूस-चीन का 90 फीसदी से अधिक व्यापार अब रूबल और यूआन में हो रहा है। भारत भी रूस से तेल खरीदने के लिए रुपये और यूएस डॉलर मुद्रा विरहमा का उपयोग कर रहा है। वाहां तक कि ईरान भी रूस से तेल खरीदने वालों के बजाय अन्य मुद्राओं को स्वीकार करने को तैयार है, जिससे 1970 के दशक के पेट्रो-डोलर समझौते पर अंतर पड़ सकता है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डॉलर को अजेंडे वाले बिस्व देशों पर 10 फीसदी शुल्क लगाने और रूसी तेल खरीदने वालों पर 500 फीसदी जुर्माना लगाने का प्रस्ताव रखा है। इससे विश्व व्यापारिक समझौते और कठिन हो सकते हैं।

फिलहाल यह सूचकांक 401.86 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,430.20 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,546.50 अंक के स्तर पर बना हुआ है। इसके अलावा सेओ कंपोजिट इंडेक्स 1.02 प्रतिशत उछल कर 1,121.69 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,045.62 अंक के स्तर पर और कोसोप्टी इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 3,184.80 अंक के स्तर पर कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।

रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोना की कीमत 99,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरफ कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियाँ बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सांसद मनका ढींगरा और सिएटल पोर्ट के आयुक्त सैम चो इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। भारतीय महावाणिज्य दूतावास के अनुसार यह आयोजन व्यापार संवर्धन और भारत के कृषि उत्पादों की वैश्विक प्रवर्धन बढ़ाने की दिशा में एक प्रभावशाली अवसर के रूप में 2024 में अमेरिका के भारतीय अर्थों के निर्यात में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

की शुरुआत कार विकेट पर 251 रन से की। लेकिन बुमराह के तीनों विकेट झट्कने से उसका स्कोर सात विकेट पर 271 रन हो गया था। बुमराह ने पहले धेंटे में कप्तान बेन स्ट्रिकस (44), रुट (104) और क्रिस वोक्स (0) के विकेट झट्के। जिसके बाद फॉर्म में चल रहे जैमी स्मिथ (56) गेंद में 51 रन) और कार्स (56) ने आठवें विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी कर मेजबान टीम का स्कोर 350 रन के पार पहुंचाया।

उन्होंने राज्य में पार्टी को सत्ता में लाने के लिए यशसरत लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की और कहा कि अब उनका मार्ग राजनीतिक पद से स्वतंत्र होकर समर्पित समाज सेवा और हिंदू अधिकारों की वकालत करना है। उन्होंने कहा कि वह हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और सनातन धर्म के लिए अथक प्रयास करते रहेंगे और उन्होंने कहा कि उनका जन्म हिंदुत्व की सेवा के लिए हुआ है। उन्होंने न्यायातार तीन तेलंगाना चुनावों में गोशामहल तेलंगानासभा सीट की जिम्मेदारी उन्हें सौंपे जाने के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

विवाद और वाणी के घाव न दें। शिव शांति के देवता हैं। इस माह में किसी से कटुता, आलोचना, और मनमुटाव न बढ़ाएं।

शास्त्रीय नृत्य की नई नायिकाएँ : बॉलीवुड की ये पांच अभिनेत्रियाँ बना रही हैं परंपरा को ट्रेंड



आज के समय में जहाँ हिप-हॉप, कंटेम्परी और फ्रीस्टाइल जैसे नृत्य रूप बॉलीवुड पर छाए हुए हैं, वहीं शास्त्रीय नृत्य एक शांत लेकिन सशक्त पुनर्जागरण की ओर बढ़ रहा है। इसकी अगुवाई कर रही हैं नई पीढ़ी की ऐसी अभिनेत्रियाँ, जिन्होंने 'ताल', 'मुद्राएँ' और अनुशासन की साधना को अपना जीवन बना लिया है। ये कलाकाराएँ भारत की सांस्कृतिक विरासत को अपनी चकाचौंध भरी मौजूदगी से मंच पर पुनः स्थापित कर रही हैं—न सिर्फ सौंदर्य के रूप में, बल्कि आत्मा की गहराई से भी।

जान्हवी कपूर: जान्हवी कपूर का शास्त्रीय नृत्य से नाता केवल उनकी माँ—दिवंगत श्रीदेवी—को श्रद्धांजलि नहीं है, यह उनके लिए एक आध्यात्मिक साधना है। कथक में प्रशिक्षित जान्हवी ने अपने हर प्रदर्शन में न सिर्फ नज़ाकत और लय को, बल्कि आत्मा को भी समाहित किया है। उनकी बोलती आँखें और नयनाभिराम मुद्राएँ उन्हें बॉलीवुड की चमक और शास्त्रीय परंपरा का अद्भुत संगम बनाती हैं।

सारा अली खान: सारा अली खान की चुलबुली और मस्तमौला छवि के पीछे छिपा है शास्त्रीय नृत्य के प्रति गहरा समर्पण, विशेष रूप से कथक और भरतनाट्यम में। उनके नृत्य में अनुशासन और नाटकीयता का सुंदर समावेश है। उनकी मुद्राएँ और हाव-भाव से भावों की अभिव्यक्ति करना उनकी विशेषता है—जो उन्हें अन्य समकालीन अभिनेत्रियों से अलग पहचान दिलाता है।

संदीपा धर: संदीपा धर फिल्म इंडस्ट्री की सर्वाधिक प्रतिष्ठित शास्त्रीय नृत्यांगनाओं में से एक हैं। भरतनाट्यम और कथक में निपुण संदीपा, प्रसिद्ध गुरुओं की शिष्या रही हैं और बचपन से मंच पर प्रस्तुति देती आ रही हैं। उनके नृत्य में जो तीव्रता और मुद्रा की दृढ़ता है, वह उनके वर्षों के अभ्यास और गहरे शास्त्रीय ज्ञान का प्रमाण है।

शनाया कपूर: फिल्मी करियर शुरू करने से पहले ही शनाया कपूर ने कथक सहित कई शास्त्रीय नृत्य रूपों में गहन प्रशिक्षण लिया। उनके नृत्य वीडियो सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं—हर कदम, हर भंगिमा में अभ्यास की परिपक्वता और शैली की सजीवता झलकती है। शनाया अपने शास्त्रीय नृत्य में जो युवापन और प्रवाह लेकर आती हैं, वह दिखाता है कि परंपरा और आधुनिकता एक साथ कितनी खूबसूरती से नृत्य कर सकते हैं।

आदिति राव हैदरी: आदिति राव हैदरी केवल एक नृत्यांगना नहीं हैं—वह मानो गति में एक रचना हैं। बचपन से भरतनाट्यम में प्रशिक्षित आदिति, शास्त्रीय नृत्य को उस गहराई और सौंदर्य के साथ प्रस्तुत करती हैं, जो आज के बॉलीवुड में दुर्लभ है। चाहे वह मंच पर हों या पर्दे पर, आदिति का नृत्य एक कालातीत सादगी और काव्यात्मक सौंदर्य को सजीव करता है। इन प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों की वजह से शास्त्रीय नृत्य केवल परंपरा नहीं रहा—वह फिर से लोकप्रियता की मुख्यधारा में लौट आया है, नये रंग, नये जोश और एक नए अर्थ के साथ।

कप्स कैफे पर गोलीबारी मामले
कपिल शर्मा की टीम बोली

हम हार नहीं मानेंगे



कमीडियन और अभिनेता कपिल शर्मा के कनाडा में स्थित नए कप्स कैफे पर गुरुवार को हुई गोलीबारी की घटना के बाद कैफे की टीम का शुक्रवार को बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने हार न मानने की बात कही। नए लॉन्च कप्स कैफे कनाडा के सरे, ब्रिटिश कोलंबिया में स्थित है, जहां गोलीबारी की घटना हुई। इस हमले में नौ राउंड फायरिंग की गई। गोलीबारी में किसी के घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई है। खालिस्तानी आतंकवादी हरजीत सिंह लड्डी ने इस घटना की जिम्मेदारी ली है। इस घटना से कैफे की टीम सदमे में है, लेकिन उन्होंने हार न मानने का फैसला किया है।

कप्स कैफे के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर टीम ने एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया, हम इस मुश्किल समय से गुजर रहे हैं, लेकिन अपने सपने को जारी रखेंगे। कैफे को इसलिए शुरू किया गया ताकि लोग एक-दूसरे से जुड़ा महसूस करें और सामुदायिकता का भाव हो। हम इसे ऐसा ही बनाए रखना चाहते हैं। लोगों के समर्थन और प्रार्थनाओं के लिए आभार। आपके प्यार भरे संदेश और समर्थन ने हमें हिम्मत दी है। यह कैफे आपके विश्वास के कारण ही है। आइए, हिंसा के खिलाफ एकजुट हों और कप्स कैफे को प्यार का स्थान बनाएं।

कैफे ने सरे पुलिस और डेल्टा पुलिस के त्वरित एक्शन के लिए भी धन्यवाद दिया। कपिल की पत्नी गिन्नी चतरथ ने इसकी बागडोर संभाल रखी है। हाल ही में कपिल ने सोशल मीडिया पर कैफे की झलकियाँ साझा की थीं, जिसमें कैफे का इंटीरियर काफी आकर्षक लग रहा था। कैफे का मेनू भी खास है, जिसमें स्पेशल कॉफी के साथ-साथ लेमन पिस्ता केक, फज ब्राउनी और क्रोइसेंट जैसे स्वादिष्ट डेजर्ट शामिल हैं। कपिल शर्मा ने 7 जुलाई को ही 'कैप्स कैफे' का उद्घाटन किया था। हमला 10 जुलाई की आधी रात को हुआ। कैफे पर 9 राउंड की फायरिंग की गई। हमलावर ने पूरे हमले का वीडियो भी बनाया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

अभिनय के साथ संगीत में भी शुभांगी अत्रे की रुचि, बोलीं— मेरी आत्मा में बसा है यह

टीवी सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' फेम अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया कि उनकी एक्टिंग के साथ ही म्यूजिक में भी गहरी रुचि है। संगीत उनकी आत्मा में बसा है और यह प्यार उन्हें अपने माता-पिता की गायकी और मधुर संगीत के प्रेम से मिला। शुभांगी हाल ही में 'काहे सैया' म्यूजिक वीडियो में नजर आईं।

समाचार एजेंसी आईएनएस से बातचीत में शुभांगी ने अपने बचपन की यादें साझा कीं। उन्होंने बताया, संगीत मेरे जीवन का हिस्सा रहा है। मैं अपनी मां को रसोई में काम करते हुए गाते



देख बड़ी हुई हूँ। मेरे पिता को गजल बहुत पसंद है, इसलिए घर में हमेशा

सुना करते थे। आज भी मैं दिन की शुरुआत मंत्रों से करती हूँ और रात को जैज या फ्यूजन सुनती हूँ। संगीत मेरी आत्मा में बसा हुआ है। संगीत में योगदान देना मेरा सपना था और मेरा नया गाना इस दिशा में एक छोटा कदम है।

शुभांगी ने बताया कि यह 'काहे सैया' गाना उनके लिए सिर्फ एक रचनात्मक कदम नहीं, बल्कि व्यक्तिगत भी है। उन्होंने कहा, जब मैंने राग जोग पर आधारित यह गाना सुना, जिसमें करुण रस की छाप है, तो मैं भावुक हो गई। इसमें गहरी पीड़ा और भावनाओं की पुट है और इसी चीज ने

मुझे इसे एक विजुअल स्टोरी के रूप में पेश करने के लिए प्रेरित किया। गाना सुनते ही मेरे दिमाग में वो सीन उभर आए। मैं दर्शकों को सिर्फ गाना नहीं, बल्कि एक कहानी के साथ खास अनुभव भी देना चाहती थी।

शुभांगी ने इस म्यूजिक वीडियो के साथ निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रखा है। उन्होंने बताया कि यह कदम उठाने की प्रेरणा उन्हें उस इंडस्ट्री से मिली, जिसने उनकी जिंदगी को आकार दिया। 'कस्तूरी' फेम अभिनेत्री ने कहा, मैं हमेशा उस इंडस्ट्री को कुछ सार्थक देना चाहती थी, जिसने मुझे

इतना कुछ दिया।

अभिनय के किरदार आते-जाते रहते हैं, लेकिन मैं सोचती थी कि मैं वास्तव में क्या दे रही हूँ? यह प्रोजेक्ट मेरा एक छोटा प्रयास है। शुभांगी अत्रे के म्यूजिक वीडियो 'काहे सैया' की लॉन्चिंग 9 जुलाई को मुंबई के मलाड स्थित नोवारा में की गई।

मधुर भंडारकर की फिल्म द वाइव्स में मौनी राँय की एंट्री हुई कन्फर्म



निर्माण की ऊँचाईयों को और ऊपर ले जा रहे हैं।

मौनी राँय के लिए, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक के साथ यह सहयोग उनकी पिछली व्यावसायिक फिल्मों की तुलना में उनकी नाटकीय क्षमता को और अधिक विविध तरीकों से प्रदर्शित करेगा, जो उन्हें भारतीय सिनेमा की बहुमुखी कलाकारों में से एक के रूप में स्थापित करेगा। बिना किसी गाँडफादर की मदद के, टेलीविजन से मुख्यधारा के सिनेमा में उनके सराहनीय परिवर्तन को देखते हुए, द वाइव्स में उनका शामिल होना उनके उभरते करियर

ऐसा बहुत कम होता है जब पर्दे पर दिखाया गया प्यार इतना सच्चा लगता है कि वो असली जज़्बातों की झलक देने लगे। और फिर आता है आर. माधवन इफेक्ट - चाहे वो 'अलाईपायुथे' हो या 'आप जैसा कोई', जब वह रोमांस चुनते हैं, तो वो कहानी कुछ खास बन जाती है। नज़ाकत से निभाए गए किरदार, सह-कलाकारों के साथ तालमेल और भाषाओं की सीमाओं से परे जाकर दर्शकों से जुड़ाव, यह पैन इंडिया पावरहाउस कभी निराश नहीं करते, और वह सिर्फ रोमांटिक हीरो की भूमिका ही नहीं निभाते, बल्कि वो एक वजह बनते हैं जिसकी वजह से हम प्यार पर फिर से यक्रीन करने लगते हैं।

चाहे लवरबाँय का चार्म हो या हालिया वर्षों की भावनात्मक गहराई से निभाया गया किरदार -आर. माधवन ने प्रेम के हर रूप को जिया है, कभी कोमलता से, तो कभी धैर्य से। उनके किरदार किसी तय पैटर्न पर नहीं चलते, बल्कि दिल के अलग-अलग पड़ाव दिखाते हैं। 'रहना है तेरे दिल में' में उन्होंने हमें मैडी का किरदार

आर. माधवन ने जब भी निभाया रोमांटिक किरदार, वो बन गया एक कल्ट क्लासिक

दिया, जो बेबाक था मगर अंदर से नाजुक था, एक ऐसा प्रेमी जो नामुमकिन को मुमकिन बनाने की कोशिश करता है और दर्शकों को अपने पक्ष में कर लिया।

अलाईपायुथे में वे कार्तिक बने, एक युवा जो प्यार में डूबा हुआ, और शादी के असली मतलब से अभिभूत। मित्राले में, उन्होंने एक अधूरा पर सच्चे प्रेमी की भूमिका निभाई—एक ऐसा इंसान जो सच को मोड़ता है, लेकिन अपनी भावनाओं को नहीं। और फिर तनु वेड्स मनु आई, जहाँ उन्होंने दिखाया कि प्यार मौन भी हो सकता है, सम्मानजनक और दिल तोड़ने वाला सच्चा भी हो सकता है। मनु के रूप में, वह जोर-शोर से नहीं बोलते थे, लेकिन उनकी शांत निगाहें इंतज़ार, प्यार और फ्रीडम के बारे में बहुत कुछ कहती थीं। अब आप जैसा कोई हैं, श्रीरेणु के रूप में आर. माधवन एक ऐसे किरदार में हैं जो दिल से रोमांटिक हैं, लेकिन आत्मा से परिपक्व हैं। फातिमा सना शेख के साथ उनकी जोड़ी में फिर से वही तड़प, वही आकर्षण और वही गहराई झलकती है, जिसे केवल वही इतनी बारीकियों और सिद्धत के साथ चित्रित कर सकते हैं।

यह सिर्फ एक नई फ़िल्म नहीं, बल्कि उस प्रेम कहानी की अगली कड़ी है जो कभी पूरी तरह खत्म ही नहीं हुई। क्योंकि जब आर. माधवन पर्दे पर होते हैं, तो यह सिर्फ अभिनय नहीं होता। यह एक ऐसा एहसास है जिसे आप हमेशा जीना चाहते हैं।

कहा कि हमें राजस्थान में विश्वस्तरीय, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और सांस्कृतिक रूप से संरक्षित बुनियादी ढाँचा तैयार करना है। इस वर्ष के बजट में 5,000 करोड़ का पर्यटन अवसंरचना और क्षमता निर्माण कोष की व्यवस्था की है। महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। जिसके अनुरूप, हम पर्यटन में महिलाओं की भूमिका का विस्तार कर रहे हैं, जिसमें होमस्टे का प्रबंधन भी शामिल है। तीज महोत्सव को लेकर भी बड़ी घोषणा, लहरिया पहनने पर उपमुख्यमंत्री का संदेश, कहा - सावन और लहरिया हमारी संस्कृति की पहचान हैं।

श्रावणी मेले के दौरान अशोक धाम में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

लखीसराय (एजेंसियां)।

श्रावण मास के पावन आरंभ के साथ ही लखीसराय स्थित सुप्रसिद्ध इंद्रधनेश्वर महादेव मंदिर, अशोक धाम में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। शुक्रवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और परिवहन मंत्री शीला मंडल ने विधिवत रुद्राभिषेक कर श्रावणी मेले का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी मिथिलेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक अजय कुमार समेत कई वरीय अधिकारी मौजूद रहे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सावन का महीना केवल धार्मिक आस्था का नहीं, बल्कि आत्मिक ऊर्जा और सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है। उन्होंने बाबा भोलेनाथ से बिहारवासियों के सुख-समृद्धि और राज्य के चहुंमुखी विकास की कामना की। श्री सिन्हा ने विश्वास जताया कि बाबा की कृपा से बिहार विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

परिवहन मंत्री शीला मंडल ने श्रद्धालुओं को सावन की शुभकामनाएं दीं और कहा कि



डिप्टी सीएम ने किया रुद्राभिषेक

हर वर्ष लाखों श्रद्धालु अशोक धाम पहुंचते हैं, इसलिए इस बार विशेष तैयारियां कराई गई हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

श्रावणी मेले को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, शौचालय और ट्रैफिक प्रबंधन तक की पुख्ता व्यवस्था की है। मंदिर परिसर के भीतर और बाहर कई शिविर लगाए गए हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए

पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है, ताकि कोई अव्यवस्था न हो। श्रावण महीने की पहली सुबह से ही 'बोल बम' और 'हर हर महादेव' के जयकारों के साथ हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा का जलाभिषेक कर अपनी आस्था प्रकट की। सावन के पहले दिन बाबा गरीबनाथ के दर्शन और पूजन के लिए दूर-दराज से भक्तों का आना लगातार जारी है। मंदिर परिसर के प्रधान पुजारी एवं प्रशासक पंडित

बाबा गरीब नाथ के दर्शन को उमड़े भक्त, सावन के पहले दिन मुजफ्फरपुर में गूंजा हर-हर महादेव

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

सावन माह की आज से विधिवत शुरुआत हो गई है। सावन के पहले सोमवार को उत्तर बिहार के सबसे बड़े शिव मंदिरों में शुमार बाबा गरीबनाथ धाम में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। 'बोल बम' और 'हर हर महादेव' के जयकारों के साथ हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा का जलाभिषेक कर अपनी आस्था प्रकट की।

सावन के पहले दिन बाबा गरीबनाथ के दर्शन और पूजन के लिए दूर-दराज से भक्तों का आना लगातार जारी है। मंदिर परिसर के प्रधान पुजारी एवं प्रशासक पंडित



बड़ी संख्या में आसपास के जिलों और अन्य राज्यों से भी कांवरिये पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु गंगा नदी से जल भरकर पहलेजा घाट से कांवर यात्रा शुरू करेंगे और पैदल चलते हुए बाबा गरीबनाथ धाम पहुंचकर बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे।

मंदिर समिति के प्रधान पुजारी एवं प्रशासक पंडित

विनय पाठक ने बताया कि सावन माह में हर रविवार और सोमवार को विशेष अरघा से बाबा का जलाभिषेक किया जाएगा। श्रद्धालु आज सीधे जलाभिषेक कर अपनी मनोकामनाएं बाबा के चरणों में समर्पित कर रहे हैं।

मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक तैयारी की है। मंदिर परिसर

और आस-पास की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, लाइन में दर्शन की व्यवस्था और सुरक्षा के लिए स्वयंसेवकों को तैनात किया गया है। जिला प्रशासन के सहयोग से कांवरियों के पड़ाव स्थल और यात्रा मार्ग पर भी पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं।

रविवार को विधिवत रूप से श्रावणी मेला की शुरुआत होगी। इसमें बिहार सरकार के कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। मंदिर समिति ने अपील की है कि श्रद्धालु सावधानी और नियमों का पालन करते हुए बाबा के दर्शन और जलाभिषेक करें।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गए वेटेरनरी कॉलेज के छात्र, सुरक्षा मांग रहे

छात्र को मारी गई थी गोली

पटना (एजेंसियां)।

बिहार वेटेरनरी कॉलेज के छात्र अनिश्चितकालीन हड़ताल चले गए हैं। वह बिहार पुलिस से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि हमलोग यहां पढ़ाई के लिए आए हैं। लेकिन, हमेशा असामाजिक तत्व परेशान करते रहते हैं। डराने के लिए गोलीबारी भी करते रहते हैं। दिनभर कॉलेज के मैदान में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहा है। यह लोग यहां नशा करते हैं। हमलो-गों के साथ अभद्रता करते हैं। स हमलोगों के साथ कई बार



मारपीट करते रहते हैं। कई बार पुलिस से इसकी शिकायत की लेकिन कोई फायदा नहीं होता है। इसलिए आज से हमलोगों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का एलान किया है।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि गुरुवार को हमारे कॉलेज के छात्र को हत्या की नीयत से गोली

मार दी गई थी। घायल छात्र को आननफानन में अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका इलाज हो रहा है। छात्र मीठापुर का रहने वाला मयंक कुमार है।

वह मेडिकल के द्वितीय सेमेस्टर में पढ़ता है। मयंक के साथियों ने बताया कि दो चार दिन पहले कुछ लड़के आपस में क्रिकेट खेलने को

लार एक दूसरे से झगड़ा किये थे। झगड़ा के बाद मामला शांत हो गया था। आज शाम में मयंक अपने दोस्तों के साथ वेटेरनरी कॉलेज के ग्राउंड पर क्रिकेट खेल रहा था। तभी कुछ लड़के ग्राउंड में आये और कैपस में घुसते ही फायरिंग करने लगे। अचानक फायरिंग होने से ग्राउंड में अफरातफरी का माहौल हो गया। क्रिकेट खेल रहे लड़के इधर-उधर भागने लगे। इसी दौरान एक गोली मयंक के हाथ में लग गई। गोली लगते ही आननफानन में वहन से किसी तरह भागकर बाहर निकले और फिर डॉक्टर के पास आकर घटना की जानकारी अपने घर वालों को दी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहारवासियों को दिया बड़ा तोहफा 1.11 करोड़ लोगों के खाते में पेंशन की राशि ट्रांसफर

पटना (एजेंसियां)।

बिहार चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहारवासियों को बड़ा तोहफा दे दिया है। सीएम नीतीश कुमार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन की बढ़ी हुई राशि को एक करोड़ 11 लाख लोगों के खाते में ट्रांसफर कर दिया है। मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना, बिहार निशक्तता पेंशन योजना, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना के लाभकों के खाते में आज 400 रुपये की जगह 1100 रुपये मिले। सीएम नीतीश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अणे मार्ग स्थित संवाद में 1227.27 करोड़ की राशि डीबीटी के जरिए हस्तांतरित कर



दी। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर हाल में महीने के 10 तारीख को लोगों के खाते में सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि ट्रांसफर कर दी जाए।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हर महीना की 10 तारीख को आपके खाते में 1100 रुपये चला जाएगा। सीएम नीतीश कुमार ने लालू राज की याद फिर से दिलाई। कहा कि 2005 से पहले क्या हुआ था? यह आपलोग सब

जानते ही हैं। पहले उनलोगों ने क्या काम किया था। आपको याद दिलाते हैं हमलोगों ने ही काम किया था। पहले महिला को कोई पूछता था। पिछली सरकार ने महिलाओं के क्या किया? वह तो आपलोग जानते ही हैं। लेकिन, हमलोग आए तो महिलाओं के लिए काफी काम किया। 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। नौकरी में भी 35 प्रतिशत आरक्षण दिया। अब देखिए महिलाएं कितनी खुश हैं।

मंत्री के कार्यकम में शराब के नशे में था मत्स्य पदाधिकारी, डीएम के आदेश पर गिरफ्तार

सुपौल (एजेंसियां)।

सुपौल के टाउन हॉल में गुरुवार को आयोजित मछुआरा दिवस के सरकारी कार्यक्रम में शराब के नशे में पहुंचे जिला मत्स्य पदाधिकारी शंभू कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

यह कार्रवाई कार्यक्रम खत्म होने के कुछ देर बाद हुई।

जिला मुख्यालय स्थित टाउन हॉल में धूमधाम से मछुआरा दिवस मनाया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सूबे के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू, डीएम सावन कुमार, नगर परिषदब सुपौल के मुख्य पार्षद राघवेंद्र झा राघव सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरीय अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम का उद्घाटन



मंत्री, डीएम सहित अन्य ने मिलकर दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद सभी ने उप-स्थित मछुआरों को संबोधित किया।

इसी दौरान एक मछुआरे ने डीएफओ द्वारा किट उपलब्ध कराने के बदले अवैध वसूली की शिकायत डीएम से की। जब डीएम ने डीएफओ शंभू कुमार को

शानुसार डीएफओ का ब्लड और यूरिन सैंपल भी लिया गया। उत्पाद निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी सावन कुमार ने डीएफओ के शराब सेवन की आशंका जताई थी। जांच में पुष्टि होने के बाद उनकी गिरफ्तारी की गई है।

यह पहली बार नहीं है, जब डीएफओ शंभू कुमार शराब सेवन मामले में गिरफ्तार किए गए हैं। इससे पहले भी 09 मार्च 2024 को जिला मत्स्य पदाधिकारी शंभू कुमार को बिहार उत्पाद अधिनियम के अंतर्गत शराब सेवन के मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। हालांकि 10 मार्च को जुमनि की राशि 2500 रुपए जमा करने पर उन्हें मुक्त किया गया था। तत्कालीन डीएम कौशल

कुमार ने कहा था कि कानून से ऊपर कुछ भी नहीं। इस मामले को लेकर आरोपी जिला मत्स्य पदाधिकारी से स्पष्टीकरण लिया गया था।

इधर, डीएम सावन कुमार ने बताया कि शंभू कुमार जिला मत्स्य पदाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। वे सरकारी कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। वहां उनके व्यवहार और हालत से नशे की पुष्टि हुई। सर्किट हाउस से उत्पाद विभाग ने उन्हें गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से यह संदेश गया है कि सरकार शराबबंदी कानून के उछंघन को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं करेगी। कानूनी प्रावधानों के अनुसार डीएफओ के विरुद्ध भी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

16 साल की लड़की शर्म से मर गई, सामूहिक दुष्कर्म करने वाले खुला घूम रहे

मौत पर जागी बिहार पुलिस

सीवान (एजेंसियां)।

पुलिस के मुखबिर हर तरफ हैं। होमगार्ड के जवानों की तैनाती तो हर जगह है ही। फिर भी 16 साल की एक लड़की के साथ कुछ लड़के सामूहिक दुष्कर्म करते हैं तो पुलिसिया तंत्र को भनक तक नहीं लगती। जब लड़की शर्म से जान दे देती है, तब पुलिस पहुंचती है। सुसाइड नोट नहीं मिलता है, लेकिन सामूहिक दुष्कर्म के 24 घंटे के अंदर जान देने वाली लड़की के परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस अब दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने



का दावा करती है। यह मामला सीवान जिले से सामने आया है, जब एमएच नगर थाना क्षेत्र के कर्मपासी में गुरुवार को एक 16 वर्षीय नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटना के बारे में परिजनों ने बताया कि बीते बुधवार को आम

चुनने के लिए किशोरी गांव के पूरब बगीचे में गई हुई थी। वहीं कुछ मनचलों ने उसे उठा लिया और सामूहिक दुष्कर्म के बाद उसे छोड़कर चले गए। इस घटना के बाद गांव के दो लड़कों की नजर उसपर पड़ी तो उन्होंने उसे घर पहुंचाया। बिखरे बाल और शरीर

पर मिट्टी लगी हुई हालत में घर पहुंची लड़की की जिस्मानी हालत बहुत बुरी थी। परिजनों ने दोषियों को ढूंढ़ने की जगह किशोरी को डॉट-फटकार लगाई कि बाहर क्यों गई थी? लोक-लाज के भय से किशोरी ने गुरुवार दोपहर फंदे से झूलकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के बाद घरवालों ने स्थानीय थाने को सूचना दी।

एमएच नगर थाने की पुलिस अवर निरीक्षक चांदनी कुमारी, सोहन मिश्रा व सुधीर कुमार ने घटनास्थल पहुंचकर शव को बतौर के अपने कब्जे में लेते हुए मामले की तहकीकात शुरू कर दी है। परिजनों से पूछताछ के बाद पंचनामा तैयार कर सीवान सदर

अस्पताल में पोस्टमार्टम करा दिया है। पुलिस के अनुसार जब टीम घटनास्थल पर पहुंची तो शव फर्श पर पड़ा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीवान के नए एसपी मनोज कुमार तिवारी, सदर डीएसपी अजय कुमार सिंह, थानाध्यक्ष मिहिर कुमार ने अलावा एफएएसएल टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच और पूछताछ की। आत्महत्या वाली जगह से कुछ सैंपल भी लिए गए। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि आत्महत्या के पीछे सामूहिक दुष्कर्म का शर्म बताया जा रहा है, इसलिए उस घटना की भी जांच की जा रही है।

एयरपोर्ट के रनवे पर हादसा, 10 फीट हवा में चार बार उछली गाड़ी

सहरसा (एजेंसियां)।

सहरसा हवाई अड्डे के रनवे पर शुक्रवार सुबह एक चौकाने वाला हादसा सामने आया, जब ड्राइविंग सीखने के दौरान एक स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर करीब 10 फीट हवा में उछल गई और चार बार पलट गई। हादसे में गाड़ी सवार चार युवक घायल हो गए। सभी घायल बिहार के अलग अलग जिलों से हैं और सहरसा में रहकर बिहार पुलिस की तैयारी कर रहे हैं।

घायलों की पहचान बिहार शरीफ के मुन्ना कुमार (25) और सागर कुमार (25), जमुई के

लक्ष्मण कुमार (25) तथा मुंगेर के मुकुल कुमार (26) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय गाड़ी चला रहे मुन्ना कुमार ने तेज मोड़ लेने की कोशिश की, तभी स्कॉर्पियो का टायर फट गयाजी और गाड़ी असंतुलित होकर उछल गई। चार बार पलटने के बाद गाड़ी रकती। गनीमत रही कि सभी को केवल हल्की चोटें आई हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को सहरसा सदर अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों के अनुसार सभी युवक खतरे से बाहर हैं। स्थानीय

लोगों ने हादसे के बाद सवाल उठाया कि ड्राइविंग सीखने के लिए स्कॉर्पियो हवाई अड्डे के रनवे पर कैसे पहुंची। इसको लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

डायल 112 के पुलिस अधिकारी सरून कुमार ने बताया कि उन्हें हवाई फील्ड पर एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही टीम ने तत्काल कार्रवाई कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया और घटना की जानकारी सहरसा सदर थाना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।